मित्र समाचार

fmph

अंक 15 | प्रकाशन 9 | सितम्बर 2025

''...और जो लोग खरी चाल चलते हैं, उनसे वह कोई अच्छी वस्तु रख न छोड़ेगा।'' भजन 84:11

आईए हम ईमानदारी में और भी आगे बढ़ें

उनसे बढ़कर
यूहन्ना 21:15

प्रथम पक्ति...

ईमानदारी : विश्वास की सच्ची परीक्षा

एक रविवार, एक पादरी ने ईमानदारी पर एक जबरदस्त प्रवचन दिया। अगले ही दिन, बस में सफर करते समय, कंडक्टर ने गलती से उसे बकाया से ज्यादा छुट्टे पैसे दे दिए। पहले तो पादरी ने सोचा, "शायद प्रभु ने इस हफ्ते के लिए मुझे जरूरी अतिरिक्त पैसे दे दिए हैं।" परन्तु पवित्र आत्मा ने उसके मन को प्रेरित किया। बस से उतरने से पहले, उसने अतिरिक्त पैसे लौटा दिए और कंडक्टर को अपनी गलती के बारे में बताया। कंडक्टर मुस्कुराया और बोला, "मैंने कल आपको अपने चर्च में ईमानदारी के बारे में बोलते सुना। मैं आपकी परीक्षा लेना चाहता था। आप पास हो गए।"

यह कहानी हमें याद दिलाती है कि दुनियाँ हमारे जीवन पर कड़ी नजर रख रही है। हमारे संगठन का सातवाँ सिद्धांत है ईमानदारी (अपने वचन और कर्म में ईमानदार होना और पारदर्शिता का जीवन जीना)। भजन संहिता 84:11: "यहोवा अनुग्रह करेगा, और महिा देगा; और जो लोग खरी चाल चलते हैं, उनसे वह कोई अच्छी वस्तु रख न छोड़ेगा।"

बाईबल स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर देती है कि ईमानदारी मसीही जीवन का एक आधारभूत सिद्धांत है। "फिर यहाँ भण्डारी यह बात देखी जाती है कि वह विश्वासयोग्य हो।" (1कुरिन्थियों 4:2)।

"क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भण्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिए; और न नीच कमाई का लोभी हो"(तीतुस 1:7)। मसीह के अनुयायी होने के नाते, हम न केवल परमेश्वर के लोगों के प्रति, बल्कि अंततः अपने स्वर्गीय स्वामी, यीशु मसीह के प्रति भी जवाबदेह हैं। हमें सौंपे गए समय, धन, सेवकाई, परिवार और अवसरों का लेखा–जोखा देना चाहिए। यह हमें हर क्षेत्र में, विशेष रूप से धन, रिपोर्टिंग और आँकड़ों के मामलों में –चाहे वित्तीय लेखा–जोखा हो या सेवकाई के परिणाम –निंदा से दूर रहने के लिए प्रेरित करता है। परमेश्वर के सेवक के जीवन में अतिशयोक्ति, बेईमानी या छल–कपट का कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

पवित्रशास्त्र उन लोगों से महान आशीषों की प्रतिज्ञा करता है जो खराई से चलते हैः "उनका चलना सुरक्षित है (नीतिवचन 10:9), वे मार्गदर्शन पाते हैं (नीतिवचन 11:3), वे बचाए जाएंगे"(नीतिवचन 28:18)।

"क्योंकि जो बाते केवल प्रभु ही के निकट नहीं, परन्तु मनुष्यों के निकट भी भली हैं उनकी चिंता करते हैं" (2कुरिन्थियों 8:21)। जब हम छोटी–छोटी बातों में भी विश्वासयोग्य रहते हैं, तो परमेश्वर हमें बड़ी जिम्मेदारियाँ सौंपते हैं। छोटी–छोटी बातों में ईमानदारी सुरक्षा, मार्गदर्शन, उद्धार और आशीष की ओर ले जाती है।

दूसरी ओर, पवित्रशास्त्र हमें असत्य बोलने के खतरों के बारे में चेतावनी देता हैः (लूका 16:11, नीतिवचन 11:3, नीतिवचन 12:22)। बेईमानी विनाश, विश्वास की हानि और अंततः हमें परमेश्वर की अस्वीकृति की ओर ले जाती है। यदि हम निष्ठा से जीवन जीते हैं, तो हम साहसी, सम्मानित, विश्वसनीय और जिम्मेदारियों के योग्य होंगे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें परमेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। जैसे–जैसे हम भारत को मसीह की ओर ले जाने के अपने मिशन में लगे रहते हैं, आईए हम परमेश्वर के वचन के प्रकाश में स्वयं का परीक्षण करें। आईए हम निजी जीवन में भी वैसे ही रहें जैसे हम सार्वजनिक जीवन में हैं – सत्य, पारदर्शिता और विश्वासयोग्यता के उदाहरण बनें।

–**मर्सी सेल्विन** *(संचार विभाग)*

"खराई और सीधाई मुझे सुरक्षित रखे, क्योंकि मुझे तेरी ही आशा है"

भजन संहिता 25:21

ईमानदारी का मतलब है कि यदि हमारा व्यक्तिगत जीवन अचानक प्रगट हो जाए, तो हमें शर्मिंदा या संकोची होने की कोई वजह न हो। ईमानदारी का मतलब है कि हमारा बाहरी जीवन हमारी आंतरिक मान्यताओं के अनुरूप हो।

– बिली ग्राहम

और विवेक भी शुद्ध रखो, इसलिए कि जिन बातों के विषय में तुम्हारी बदनामी होती है उनके विषय में वे जो मसीह में तुम्हारे अच्छे चाल–चलन का अपमान करते हैं, लज्जित हों।

1पतरस 3:16

ईमानदारी का अर्थ है कि हम विश्वसयोग्य और भरोसेमंद हैं, और हमारा चरित्र दोष से परे है *– बिली ग्राहम*

इससे मैं आप ही यत्न करता हूँ कि परमेश्वर की, और मनुष्यों की ओर मेरा विवेक सदा निर्दोष रहे।

प्रेरित 24:16

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साझा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतृप्ति सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ.एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक

एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रूपये	600 रूपये
आजीवन	600 रूपये	5,000 रूपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...

"योशिय्याह के तुल्य न तो उस से पहले कोई ऐसा राजा हुआ और न उसके बाद कोई ऐसा राजा उठा, जो मूसा की पूरी व्यवस्था के अनुसार अपने पूर्ण मन, पूर्ण प्राण और पूर्ण शक्ति से यहोवा की ओर फिरा हो।"

— 2राजा 23:25

मसीह में प्रिय,

इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं जब परमेश्वर किसी व्यक्ति, किसी आंदोलन या किसी पीढ़ी को न केवल मौजूदा व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए, बल्कि खोई हुई व्यवस्था को सुधारने के लिए भी खड़ा करता है। योशिय्याह की कहानी ऐसा ही एक क्षण है। उसका सुधार केवल राजनीतिक या धार्मिक नहीं था, बल्कि यह गहन आध्यात्मिक, राष्ट्रीय और मिशनरी था। यह परमेश्वर के वचन की केंद्रीयता, परमेश्वर की आराधना की विशिष्टता और परमेश्वर के वाचा मिशन की तात्कालिकता की ओर वापसी थी।

योशिय्याह ने मात्र आठ वर्ष की आयु में यहूदा पर शासन करना आरम्भ किया, और सोलह वर्ष की आयु तक वह प्रभु की खोज में लग गया। बीस वर्ष की आयु में उसने मूर्तिपूजा से देश का शुद्धिकरण शुरू किया, और छब्बीस वर्ष की आयु तक उसने व्यवस्था की पुस्तक को पुनः खोजा और देशव्यापी पुनरुत्थान का नेतृत्व किया। परमेश्वर का वचन परमेश्वर के ही घर में खो गया था और उपेक्षित था! यह कितनी बड़ी त्रासदी है और हमारे समय का कैसा दर्पण है।

हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ मिशन आसानी से प्रबंधन बन सकता है, जहाँ रणनीति समर्पण की जगह ले सकती है, और जहाँ ईश्वर के आह्वान का जुनून पेशेवर दिनचर्या में बदल सकता है। योशिय्याह का आह्वान केवल ''और अधिक करन'' का नहीं, बल्कि परमेश्वर के हृदय में लौटने का है।

1. कोमल हृदय से सुधार का आरम्भ

'' इसलिये कि तू वे बातें सुनकर दीन हुआ, और मेरी वे बातें सुनकर कि इस स्थान और इसके निवासियों को देखकर लोग चकित होंगे, और शाप दिया करेंगे, तूने यहोवा के सामने अपना सिर झुकाया, और अपने वस्त्र फाड़ा मेरे सामने रोया है, इस कारण मैंने तेरी सुनी है, यहोव की यह वाणी है।" (2राजा 22:19)

योशिय्याह ने व्यवस्था के वचन सुनकर अपने वस्त्र फाड़ डाले। उसने न तो अतीत का बचाव किया और न ही यथास्थिति को उचित ठहराया। उसने स्वयं को दीन किया। आज मिशन में सबसे बड़ी जरूरत कोमल हृदय वाले अगुवों और मिशनरियों की है, जो परमेश्वर के वचन से काँपते हैं, पाप पर विलाप करते हैं, और कलीसिया और खोए हुए लोगों की दुर्दशा के लिए टूट जाते हैं। सुधार कभी भी किसी रणनीति से शुरू नहीं होता; यह टाट और राख से आरम्भ होता है।

आईए हम खुद को जाँचें: क्या हमने शुरुआती बुलावे की आग खो दी है? क्या हम बिना आँसुओं के आँकड़ों, बिना टूटे बजटों, या बिना महिमा के सभाओं से संतुष्ट हैं? योशिय्याह हमें याद दिलाता है: परमेश्वर केवल कर्मों से नहीं, बल्कि हृदयों से प्रत्युत्तर देता है।

2. फिर से वचन केंद्रीय होना चाहिए

"महायाजक हिल्किय्याह ने कहा, 'मुझे यहोवा

के मन्दिर में व्यवस्था की पुस्तक मिली है।" (2राजा 22:8)

परमेश्वर का वचन उसी मंदिर में दफना दिया गया था। कैसी विडंबना है! परमेश्वर के लोगों ने इमारतें बनाईं, अनुष्ठान किए, और धार्मिक दिखावे को बनाए रखा, फिर भी वचन को ही खो दिया।

एक मिशनरी आंदोलन जो पवित्रशास्त्र पर आधारित नहीं है, अंततः सूख जाता है। योशिय्याह का पुनरुत्थान किसी अभियान से नहीं, बल्कि पुनः खोजी गई बाइबल से आरम्भ हुआ था। हमें बाइबल आधारित उपदेश, प्रार्थनापूर्ण ध्यान और आज्ञाकारिता–आधारित शिष्यत्व की ओर लौटने की जरूरत है, और वह भी सिद्धांत के रूप में नहीं, बल्कि जीवन–रक्त के रूप में।

3. मूर्तियों को हटाया जाना चाहिए, प्रबंधित नहीं

"बाल देवताओं की वेदियाँ उनके सामने तोड़ डाली गईं, और सूर्य की प्रतिमाएँ ....लोगों की कबरों पर छितरा दी, जो उनको बलि चढ़ाते थे" (2इतिहास 34:4)

योशियाह ने न केवल मूर्तियों को शांत किया, बल्कि उन्हें नष्ट भी किया। उसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा नहीं दिया; उसने उसे जड़ से मिटा दिया। सुधार का अर्थ है पाप से पूरी तरह निपटना और अपने निजी जीवन तथा अपने आंदोलन, दोनों में मसमझौता करना।

आज हमारे मिशन में कौन सी मूर्तियाँ विद्यमान हैं?

- सफलता की मूर्ति निष्ठा के बजाय संख्याओं में मापी जाती है
- मान्यता की मूर्ति, जहाँ आज्ञाकारिता से ज्यादा मंच मायने रखता है
- आराम की मूर्ति, जहाँ त्याग को दरकिनार कर दिया जाता है

मूर्तियाँ सिर्फ मूर्तिपूजक देशों में ही नहीं होतीं, बल्कि वे दफ्तरों, बजट, प्रार्थनाहीनता और आत्म–प्रचार में भी घुस सकती हैं। योशिय्याह हमें सिर्फ छोटे–मोटे बदलावों के लिए नहीं, बल्कि आमूल–चूल शुद्धिकरण के लिए कहता है।

4. वाचा का नवीनीकरण सार्वजनिक और व्यक्तिगत में अवश्य होना चाहिए

"तब राजा ने खम्भे के पास खड़ा होकर यहोवा से इस आशय की वाचा बाँधी, कि मैं यहोवा के पीछे चलूँगा ...वाचा की बातों को जो इस पुस्तक में लिखी है पूरी करूँगा" (2राजा 23:3)

योशिय्याह ने अगुवों से लेकर आम लोगों तक, सभी लोगों को इकट्ठा किया और उन्हें वाचा के नवीनीकरण में अगुवाई की। उसके लिए नीतियाँ बदलना ही काफी नहीं था; वह हृदय परिवर्तन चाहता था। मिशन व्यक्तिगत समर्पण से शुरू होता है, परन्तु उसे सार्वजनिक वाचा की ओर ले जाना चाहिए।

मिशनरी आंदोलनों के रूप में, हमें पश्चाताप करने, रोने और पुनः प्रतिबद्ध होने के लिए एकत्रित होने की आवश्यक्ता है। कार्यक्रमों के लिए नहीं, बल्कि उनकी उपस्थिति के लिए। केवल मिशन के बारे में बात करने के लिए नहीं, बल्कि मिशन के स्वामी से मिलने के लिए? हमारा आह्वान केवल सुसमाचार का प्रचार करना नहीं है, बल्कि उसे अविभाजित हृदय से जीना है। योशिय्याह हमें दिखाता है कि देश में पुनरुत्थान नेतृत्व में पुनरुत्थान से प्रवाहित होता है।

इस पीढ़ी के लिए एक आह्वान

योशिय्याह जब इस सुधार आंदोलन का नेतृत्व कर रहा था, तब उनकी उम्र सिर्फ 26 साल थी। परमेश्वर अभी भी ऐसे युवा पुरुषों और महिलाओं की तलाश में है जो विरासत में मिली परंपराओं या उथले धर्म से संतुष्ट नहीं होंगे, बल्कि पवित्र अग्नि और पवित्र भय के साथ उठेंगे, और एक पीढ़ी को वचन की ओर, क्रूस की ओर, और कटनी की ओर वापस ले जाएँगे।

प्रिय सुसमाचार के सहयोगियों, समय अत्यावश्यक है, और आह्वान स्पष्ट है। हमें अपने स्वप्न को पुनः प्रज्वलित करना होगा, कुएँ

पुनः खोदने होंगे, और वाचा का नवीनीकरण करना होगा। मिशनों का प्रवाह प्रवृत्तियों से नहीं, बल्कि सत्य से, गति से नहीं, बल्कि ईश्वर से नए सिरे से मिलने से होना चाहिए।

जिस तरह परमेश्वर के वचन ने योशिय्याह के समय में एक राष्ट्र को झकझोर दिया था, उसी तरह हमारा मानना है कि परमेश्वर हमें आध्यात्मिक सुधार के जरिए मिशनरी आंदोलन को फिर से प्रज्वलित करने के लिए बुला रहा है, और वह भी सिर्फ रणनीति में नहीं, बल्कि भावनाओं में। योशिय्याह का सुधार हमें स्मरण दिलाता है:

- प्रभु के भय के बिना मिशन सक्रियतावाद बन जाता है;
- परमेश्वर के वचन के बिना मिशन दिशाहीन हो जाता है;
- ह्रदय से पूर्ण समर्पण के बिना मिशन अपनी शक्ति खो देता है।

आईए इस सितम्बर को एक व्यक्तिगत और सामूहिक योशिय्याह क्षण बनाएँ, एक पवित्र समय जब हम अपने वस्त्र फाड़ें, पुस्तक खोलें, मूर्तियों को शुद्ध करें, और एक बार फिर वेदी पर खड़े होकर कहें:

"मैं और मेरा घराना, मैं और यह मिशनरी आन्दोलन, हम प्रभु की सेवा करेंगे।" (देखें यहोशू 24:15)

दक्षिणी अंचल: साहस एवं विश्वास का संगम

नवीनीकरण की यह भावना कोलार और चित्तूर क्षेत्र की मेरी यात्रा के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जहाँ हमारे मिशनरी एकजुट होकर एकत्रित हुए। यह एक चुनौतीपूर्ण, फिर भी उत्साहजनक समय था जब हमने उनके संघर्षों और विजयों के बारे में सुना। कठोर धरती पर उनकी दृढ़ता, मूर्तिपूजा के बीच योशिय्याह के सुधारों की तरह, मुझे याद दिलाती है कि पुनरुत्थान अक्सर उन बचे हुए लोगों से शुरू होता है जो हार नहीं मानते।

27 जुलाई 2025 को रानीपेट स्थित इम्मानुएल बी.एच.ई.ए.ल चर्च में आयोजित मिशनरी समर्पण समारोह एक विशेष आकर्षण था, जहाँ रेव्ह.बेनी माईकल और कई सी.एस.आई के पादरियों ने 17 मिशनरियों का समर्पण किया। जब इन सेवकों ने कटनी के लिए अपना जीवन समर्पित किया, तो चर्च आँसुओं, प्रार्थनाओं और मिशनरी आनंद से भर गया। यह वाचा के नवीनीकरण का एक क्षण था, बिल्कुल योशिय्याह के सार्वजनिक पुनः–समर्पण समारोह की तरह (2राजा 23:3)।

चिंगारी 2025: पेशेवरों के बीच ज्वाला को प्रज्वलित करना

एक और उल्लेखनीय आयोजन चिंगारी 2025 था, जो मसीही आईटी विशेषज्ञों का एक सम्मेलन था। आई.एस.सी.ए, चेन्नई में पेशेवरवरों के लिए आयोजित किया गया था। उत्साह और उद्देश्य के साथ, उन्होंने यह पता लगाया कि कैसे उनका व्यवसाय महान आदेश की सेवा कर सकता है। मंदिर और महल का सुधार करने वाले योशिय्याह की तरह, ये पेशेवर अपने धर्मनिरपेक्ष मंचों को साक्षी के पवित्र स्थानों के रूप में पुनः प्राप्त कर रहे हैं।

उत्तरपूर्वी अंचल: संथाल लोगों के लिए दर्शन

उत्तर–पूर्वी क्षेत्र की हमारी यात्रा ईश्वर की अद्वितीय उपस्थिति से चिह्नित थी। सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक स्नेहालय स्वास्थ्य केंद्र में नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टरों का समर्पण देखना था। यह एक इमारत से कहीं बढ़कर है–यह ईश्वर की व्यवस्था का प्रतीक है और उन लोगों के लिए एक आश्रय है जो दिन–रात सेवा करते तथा मसीह के नाम पर चंगाई और आशा को लेकर आते हैं।

"पहाड़ों पर उनके पाँव क्या ही सुहावने हैं, जो शुभ समाचार लाता है..." (यशायाह 52:7) – और इस मामले में, वे हाथ भी जो चंगाई लाते हैं।

स्नेहालय स्वास्थ्य केंद्र, चिकित्सा की कमी और मानवीय पीड़ा से जूझते इस क्षेत्र में दया की

किरण बना हुआ है। स्टाफ क्वार्टरों को समर्पित करना मिशन की स्थिरता में एक निवेश है – यह स्मरण दिलाता है कि मिशन का काम केवल आत्माओं तक पहुँचने के बारे में नहीं है, बल्कि उन लोगों की देखभाल करने के बारे में भी है जो अक्सर सुख–सुविधाओं से दूर, लोगों के बीच रहते हैं।

प्रार्थना में शामिल होना और एक करोड़ संथालों तक पहुँचने की योजना बनाने का कार्य ने मुझे बहुत प्रभावित किया। वंचित जनसमूहों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता योशियाह के व्यापक सुधारों की याद दिलाती है, जिन्होंने यहूदा के हर क्षेत्र को प्रभावित किया। यह हमें स्मरण दिलाता है कि परमेश्वर का मिशन गहरा और व्यापक होना चाहिए, हृदयों को परिवर्तित करना चाहिए और भूले–बिसरे कोनों को छूना चाहिए।

पूर्वी अंचलः भविष्य के निमित रोपण एवं निर्माण

पूर्वी क्षेत्र में, हमने नए बुड्डी आर.सी.पी.एस. का लोकार्पण किया और उप–पंजीयक के पास संत थॉमस स्कूल ट्रस्ट पंजीकरण के लिए आधिकारिक आवेदन भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ये कानूनी मील के पत्थर से कहीं बढ़कर हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए दीर्घकालिक मिशनरी ढाँचे की नींव रखने के भविष्यसूचक कार्य हैं। इस क्षेत्र के मिशनरियों के साथ जुड़ने से मुझको उनके दैनिक साक्ष्य को ऊर्जा देने वाले साहस और रचनात्मकता का और भी पता चला।

प्रार्थना में एक राष्ट्रः उपवास, विलाप, अंतराल में खड़ा होना

देश भर में, राष्ट्र और मिशन के लिए राष्ट्रीय उपवास प्रार्थनाएँ विभिन्न स्थानों पर आयोजित की गईं। विशेष रूप से तमिलनाडु के तिरुपत्तूर और पुडुचेरी में लामबंदी प्रार्थनाओं का पुनरुत्थान उल्लेखनीय था, जहाँ नेता भूख और आशा के साथ एकत्रित हुए थे। प्रतिक्रिया जबरदस्त थी, और इसे यहाँ एक वार्षिक आयोजन बनाने का सामूहिक आग्रह किया गया। योशिय्याह के दिनों की तरह, वचन के पाठ ने विलाप, उपवास और पुनः समर्पण को जन्म दिया (2इतिहास 34:27–31)।

आंध्र प्रदेशः नवीनीकरण सम्मेलन

आँध्र प्रदेश दक्षिण क्षेत्रीय दिव्य मिशन सम्मेलन 2025 का आयोजन सीएसआई वेल्लोर धर्मप्रांत के बीट्टी मेमोरियल चर्च चित्तूर में 15–16 अगस्त को किया गया था। इसका समापन रेव्ह. सामुएल आर्थर द्वारा छह मिशनरियों के समर्पण के साथ हुआ। इन सत्रों ने क्षेत्र के वंचित लोगों के लिए दिव्यदृष्टि, संगति और मध्यस्थता को पुनर्जीवित किया। इसने योशिय्याह की उस इच्छा को प्रतिध्वनित किया कि पूरा राष्ट्र परमेश्वर के उद्देश्यों की ओर लौट आए।

इन सभी आयोजनों में, एक बात स्पष्ट था, परमेश्वर हमें नवीनीकरण के लिए बुला रहा है। सिर्फ मिशन पूरा करने के लिए नहीं, बल्कि वचन से आकार पाने वाले, आत्मा से परिपूर्ण और वाचा के प्रति प्रतिबद्ध लोग बनने के लिए। योशिय्याह ने सिर्फ इमारतों का ही जीर्णोद्धार नहीं किया–उसने हृदयों को परमेश्वर के प्रति पुनः समर्पित कर दिया। यही हमारे समय की माँग है। आईए इस सितंबर को सिर्फ एक और महीने की तरह न बिताएँ, बल्कि मूर्तियों को तोड़ने, वचन की पुनः खोज करने, अपनी प्रतिज्ञाओं को नवीनीकृत करने और मिशन को पुनः प्रज्वलित करने के एक पवित्र अवसर के रूप में बिताएँ।

हमारी प्रार्थना होः

"हे प्रभु, प्राचीनकाल के समान हमारे दिन बदलकर ज्यों का त्यों कर दे।"– विलापगीत 5:21

उसके मिशन में,

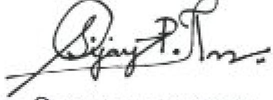

रेव्ह. विजय प्रसन्ना इसाहक

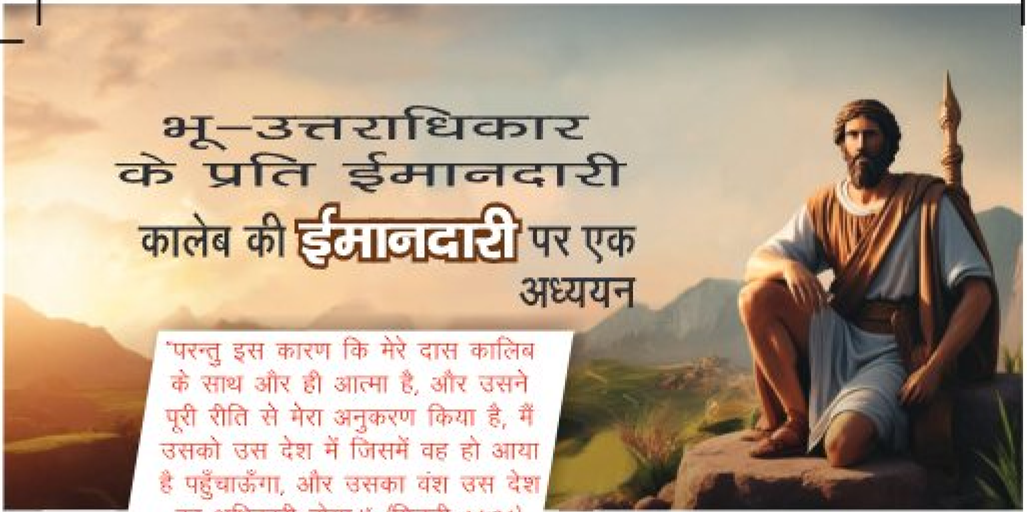

भू–उत्तराधिकार के प्रति ईमानदारी

कालेब की ईमानदारी पर एक अध्ययन

"परन्तु इस कारण कि मेरे दास कालिब के साथ और ही आत्मा है, और उसने पूरी रीति से मेरा अनुकरण किया है, मैं उसको उस देश में जिसमें वह हो आया है पहुँचाऊँगा, और उसका वंश उस देश का अधिकारी होगा।" (गिनती 14:24)

प्रभु ने गवाही दी कि उसके सेवक कालेब में एक अलग आत्मा थी जो मूसा द्वारा मिस्र से निकाले गए लगभग 20 लाख लोगों के जीवन में नहीं पाई जाती थी। कालेब की ईमानदारी बाईबल के निम्नलिखित पदों में देखी जा सकती है।

गिनती 14:24, यहोशू 14:8–15, न्यायियों 1:14–15, 1इतिहास 4:15

कालेब की ईमानदारी जिसने भूमि विरासत में लिया

1 बहुमत का पालन न करना

(गिनती 13:26–33)

कालेब को बहुमत के विचारों के द्वारा भटकाया नहीं गया। रेव्ह. डा. साम कमलेसन ने कहा: एक विश्वासी को आध्यात्मिक जीवन में चलते समय 3 चीजों से बचने के लिए सतर्क और सावधान रहने की आवश्यक्ता है। (i) मैं (अहंकार) – स्वयं, (ii) यौन क्षेत्र, (iii) सच को नहीं बहुमत का अनुसरण करने से। हालांकि 20 लाख के लगभग बहुमत लोग डर, प्रतिकूल परिस्थिति और अन्य भेदियों के द्वारा की गई टिप्पिणियों के कारण प्रतिज्ञा के देश पर अधिकार करने के पक्ष में नहीं थे, तौभी कालेब को बहुमत के द्वारा भटकाया नहीं गया। परमेश्वर एक बड़ी भीड़ की अपेक्षा नहीं करता बल्कि ऐसा एक व्यक्ति की अपेक्षा करता है जो ईमानदार पूर्वक भूमि को अपने अधिकार में लेने के लिए परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा करता है।

2 बुड़बुड़ाया नहीं

(गिनती 14:2; निर्गमन 15,16,17) लोगों ने परमेश्वर और मूसा के खिलाफ दस बार बुड़बुड़ाया। लोगों ने देश के बारे में यहोशू और कालेब की रिपोर्ट के खिलाफ भी बुड़बुड़ाया। लोगों में स्वर्ग से प्रभु द्वारा प्रदान किए गए नाश्ते – मन्ना के खिलाफ बुड़बुड़ाने का रवैया था, "इसलिए वे परमेश्वर के विरूद्ध बात करने लगे, और मूसा से कहा, तुम लोग हको मिस्र से जंगल में मरने के लिए क्यों लाए हो? यहाँ न तो रोटी है और पानी, और हमारे प्राण इस निकम्मी रोटी से दुःखित है।" (गिनती 21:5)। स्वर्गीय मन्ना परमेश्वर के लोगों के लिए बेकार हो गया और उन्होंने मूसा के खिलाफ बुड़बुड़ाया। इस बुड़बुड़ाने वाले रवैये के कारण कई लोग जंगल में मर गए। "और न तुम कुड़कुड़ाओ, जिस रीति से उनमें से कितने कुड़कुड़ाए और नष्ट करने के द्वारा नष्ट किए गए" (1कुरिं 10:10)। परन्तु कालेब ने कुछ न कहा, परन्तु विश्वास और मन की खराई से यहोवा का अनुसरण किया।

3 विश्वास की आत्मा

(गिनती 14:24)

प्रभु ने गवाही दी कि कालेब में एक अलग आत्मा थी, विश्वास की आत्मा। "इसलिए कि हम में वही विश्वास की आत्मा है, जिसके विषय में लिखा है, "मैंने विश्वस किया इसलिए बोलते हैं" (2कुरिं 4:13)। संत पौलुस में भी कालेब की तरह विश्वास की आत्मा थी। लगभग 20 लाख लोगों ने न तो परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर विश्वास किया और न ही परमेश्वर के वचन पर भरोसा किया कि वे देश के वारिस होंगे। केवल वे लोग ही देश के वारिस हो सकते हैं जिनमें विश्वास की आत्मा और परमेश्वर के वचन पर भरोसा है।

हमारे पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा है। "जब जब तू दुहाई दे, तब जिन मूर्तियों को तुमने जमा किया है वे ही तुझे छुड़ाएँ! वे तो सब के सब वायु से वरन् एक ही फूँक से उड़ जाएँगी। परन्तु जो मेरी शरण लेगा वह देश का अधिकारी होगा, और मेरे पवित्र पर्वत का भी अधिकारी होगा" (यशायाह 57:13)।

यद्यपि राष्ट्र मूर्तियों से भरे हुए हैं, फिर भी हमें सभी मूर्तियों को हटाने और उत्तराधिकार की भूमि को प्राप्त करने के प्रभु की प्रतिज्ञा पर भरोसा करने की आवश्यकता है। "मनुष्य का गर्व मिटाया जाएगा, और मनुष्यों का घमण्ड नीचा किया जएगा; और उस दिन केवल यहोवा ही ऊँचे पर विराजमान होगा" (यशायाह 2:17,18)। इसलिए, आईए हम कालेब के जीवन के विश्वास की भावना रखें और हृदय की खराई से देश पर अधिकार करें।

5 पूरे मन से अनुसरण किया

(गिनती 14:24) कालेब ने पूरे मन से प्रभु का अनुसरण किया। कालेब, यहोशू से वरिष्ठ था। हालाँकि, नेतृत्व कनिष्ठ यहोशू को दिया गया। परन्तु कालेब को इससे कोई आपत्ति नहीं थी क्योंकि उसने प्रभु का अनुसरण पद, पदोन्नति, लाभ या किसी सांसारिक प्रतिष्ठा के लिए नहीं किया था। उसने सांसारिक आशीषों की चाह किए बिना, परमेश्वर के प्रतिज्ञाओं और उनके वचन पर भरोसा रखते हुए, निष्ठापूर्वक प्रभु का अनुसरण किया। नाम, प्रसिद्धि, लोकप्रियता तो बस एक छाया मात्र है, परन्तु चरित्र स्थायी है। कालेब किसी सांसारिक प्रतिष्ठा के पीछे नहीं, बल्कि परमेश्वर की मान्यता के पीछे था। डॉ. साम कमलेसन ने कहा कि परमेश्वर के राज्य में, शक्ति, पद और संकीर्णता कोई मुद्दा नहीं हैं और ये राज्य के मूल्य नहीं हैं। कालेब में राज्य के मूल्य थे। हृदय की अखंडता। इस तरह वह भूमि का उत्तराधिकारी बन सका।

4 यहाँ तक कि पुराने समय में भी युद्ध छेड़ा गया (यहोशू 14:10, 11):

"और अब देख, जब यहोवा ने मूसा से यह वचन कहा था तब से पैंतालीस वर्ष हो चुके हैं, जिनमे इस्राएली जंगल में घुमते फिरते रहे; उनमें यहोवा ने अपने कहने के अनुसार मुझे जीवित रखा है; और अब मैं पचासी वर्ष का हूँ। जितना बल मूसा के भेजने के दिन मुझ में था उतना बल अभी तक मुझमें है; युद्ध करने या भीतर बाहर आने जाने के लिए जितनी उस समय मुझमें सामर्थ्य थी उतनी ही अब भी मुझमें है। "इसलिए अब वह पहाड़ी मुझे दे जिसकी चर्चा यहोवा ने उस दिन क थी; तूनू तो उस दिन सुना होगा कि उसमें अनाकवंशी रहते हैं, और बड़े बड़े गढ़ वाले नगर भी हैं; परन्तु क्या जाने सम्भव है कि यहोवा मेरे संग रहे, और उसके कहने के अनुसार मैं उन्हें उसके देश से निकाल दूँ।" (यहोशू 14:12)। FMPB के भूतपूर्व महासचिव श्री पैट्रिक जोशुआ ने कहा कि "बूढ़ा होना तो अनिवार्य है, परन्तु परिपक्व होना वैकल्पिक है।" जो लोग यहोवा की बाट जोहते हैं, जो परमेश्वर के वादे पर पूरी निष्ठा से आशा और भरोसा रखते हैं, वे अपनी शक्ति को नवीनीकृत करेंगे और कालेब की तरह देश के वारिस होंगे।

6 खराई से चला (यहोशू 14:8)

कालेब ने पूरे मन से और खराई से यहोवा का अनुसरण किया। उसके खराई के बारे में चार गवाह हैं।

1. अंतरात्मा की गवाही: यहोशू 14:8 " और मेरे साथी जो मेरे साथ गए थे उन्होंने तो प्रजा के लोगों का मन निराश कर दिया, परन्तु मैंने अपने परमेश्वर यहोवा की पूरी रीति से बात मानी।।"
2. अगुवों की गवाही – मूसा: यहोशू 14:9 "तब उस दिन मूसा ने शपथ खाकर कहा, तूने पूरी रीति से मेरे परमेश्वर यहोवा की बातों का अनुकरण किया है, इस कारण निःसंदेह जिस भूमि पर तू अपने पाँव धर आया है वह सदा के लिए तेरा और तेरे वंश का भाग होगी।"
3. सहकर्मी की गवाही – यहोशू: यहोशू 14:13,14 "और यहोशू ने उसको आशीर्वाद दिया; और हेब्रोन को यपुन्ने के पुत्र कालेब का भाग कर दिया। इस कारण हेब्रोन कनजी यपुन्ने के पुत्र कालेब का भाग आज तक बना है, क्योंकि वह इस्राएल का परमेश्वर यहोवा का पूरी रीति से अनुगामी था।"
4. प्रभु की गवाही: गिनती 14:24 "परन्तु इस कारण कि मेरे दास कालेब के साथ और ही आत्मा है, और उसने पूरी रीति से मेरा अनुसरण किया है, मैं उसको उस देश में जिसमें वह हो आया है पहँचाऊँगा, और उसका वंश उस देश का अधिकारी होगा।" देश का अधिकारी होने के लिए परमेश्वर हमसे अपेक्षा करता है कि हम पूरी निष्ठा और ईमानदारी से उसका अनुसरण करें। परमेश्वर अच्छा और वफादार सेवकों को ढूंढ़ रहा है महान और प्रसिद्ध सेवकों को नहीं। मत्ती 25:21।

7 विरासत में भूमि मिली (गिनती 14:24)

क्योंकि कालेब ने पूरे मन से और ईमानदारी से परमेश्वर का अनुसरण किया, उसका पालन किया पालन किया और सत्यता की गवाही के कारण्परमेश्वर ने उसको और उसके वंश का आशीष दी और भूमि को उसके अधिकार में कर दिया।

इसलिए, आईए हम भी अपने जीवन के हृदय की खराई के साथ प्रभु का अनुसरण करने के लिए समर्पित करें, जैसा कि कालेब ने किया था, ताकि हम भी अपने प्रभु यीशु मसीह की महिमा के लिए अपने समय में भूमि के अधिकारी हो सकें।

रेव्ह. एम. राज (नेशनल प्रेयर नेटवर्क)
एफ.एम.पी.बी.–मिशनरी (सेवानिवृत)

परमेश्वर जो स्वर्ग के द्वारों को खोलता है

महाराष्ट्र के पेंट क्षेत्र में स्थित एक छोटा सा गाँव, करंजबाना, बरसात के मौसम में भयंकर सूखे का सामना कर रहा था। हालाँकि आसपास के इलाकों में भरपूर बारिश हुई, परन्तु उनके इलाके में एक बूंद भी पानी नहीं गिरा। कुओं से पानी मिलने वाली फसलें सूखने लगीं। हताश होकर, गाँव के विश्वासी चर्च में इकट्ठा हुए, उपवास किया और प्रभु से सच्चे मन से प्रार्थना की। गाँव वाले आश्चर्य से देखते रहे। प्रार्थना का समय समाप्त होते ही, परमेश्वर ने उत्तर दिया–धरती पर पानी बरस पड़ा! पूरे गाँव में प्रभु के नाम की महिमा हुई। हालेलुय्याह!

कोलार में समाज का परिवर्तन

अध्यक्ष के कोलार मिशन क्षेत्र का दौरा

कोलार अपनी स्वर्ण खदानों के लिए जाना जाता है; अब, यह एफ.एम.पी.बी के. प्रयासों से कोलार के लोगों के परिवर्तन के लिए भी जाना जाता है। 1996 में शुरू हुए कोलार मिशनरी क्षेत्र ने लोगों के परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन में अभूतपूर्व परिणाम दिए हैं। 30 वर्षों की अवधि में, हम 7 मिशन क्षेत्रों, 10 चर्चों, 27 मंडलियों और 15,000 से अधिक लोगों के एक आनंदित, आशीषित और प्रगतिशील समूह को देख पा रहे हैं।

31 जुलाई 2025 – मेरे लिए एक आशीष का दिन था क्योंकि मैंने कोलार मिशन क्षेत्र में वेमागल चर्च का दौरा किया, जो ऐसे लोगों से भरा हुआ था जो उनके जीवन में परमेश्वर द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए आभारी हैं – साधारण लोग परमेश्वर द्वारा बुलाए गए विशेष लोगों में परिवर्तित हो रहे हैं, अशिक्षित और निरक्षर लोग आज कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं, बहुत अधिक सम्मान के बिना लोग आज अधिवक्ताओं, दंत चिकित्सकों और स्नातकों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

युवा और वृद्ध, बड़ी संख्या में लोग,परमेश्वर की आशीषें प्राप्त करने के लिए तरस रहे हैं। लोग, चर्च परिसर में आराधना, संगति और प्रार्थना के लिए एकत्रित हुए। जब मैंने सफलता देने वाले परमेश्वर के बारे में बात की, तो मुझे लोगों पर पवित्र आत्मा की वर्षा का आभास हुआ।

मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने एडवोकेट जेम्स सहित कई स्थानीय अगुवों को आगे बढ़ाया है, जिन्होंने उस दिन आराधना का नेतृत्व किया और सक्षम आध्यात्मिक नेतृत्व प्रदान किया। स्थानीय अगुवे कलीसिया के संचालन में सक्षम नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। श्री थिम्मेश, अंचलीय सचिव और क्षेत्रीय सचिव श्री सुनील दाता कारा, क्षेत्र में कार्यरत मिशनरियों और प्रचारकों तथा उनके परिवारों ने भी सभा में भाग लिया। मैंने उनके चेहरों पर अपार खुशी और आशा को देखा, क्योंकि वे मिशन में

निरंतर लगे हुए हैं। ये अग्रणी मिशनरी और प्रचारक ही हैं जिन्होंने परमेश्वर के लिए अथक परिश्रम किया है। मैं उनमें से प्रत्येक की सराहना करता हूँ।

कोलार प्राचीन मोरासु नाडु का हिस्सा है, जहाँ कन्नड़, तेलुगु और तमिल भाषाओं और संस्कृतियों का मिश्रण है। कर्नाटक में हमारी एक बड़ी मंडली होने के बावजूद, हमारे पास अरईकूवल का कन्नड़ संस्करण नहीं है। आईए, कन्नड़ संस्करण को शीघ्र ही प्रकाशित करने के लिए कदम उठाएँ ताकि कर्नाटक के लोगों को लाभ मिल सके।

वर्तमान में कोलार मिशन क्षेत्रों में हमारे 5 प्रचारक हैं। लोगों ने वादा किया है कि वे सेवकाई का विस्तार करने के लिए 5 और प्रचारकों की पहचान करने के लिए कदम उठाएँगे। उनका लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में क्षेत्र में प्रार्थनापूर्वक 10 और चर्च स्थापित करना है। इसी तरह हम मिशन का विस्तार करना चाहते हैं, जिसमें स्थानीय लोग सेवकाई का नेतृत्व करें। हाल ही में एक बाल विकास केन्द्र को मंजूरी दी गई है और यह अभी शुरू होना बाकी है। स्थानीय कलीसिया कोलार मिशन क्षेत्र में और अधिक बाल विकास केन्द्रों की इच्छा रखती है। अंचलीय और क्षेत्रीय सचिव इसका अध्ययन करेंगे और मिशन के विस्तार के लिए एक रोडमैप तैयार करेंगे। मुझे पता चला है कि मालूर चर्च में, कुछ दरारें आ गई हैं और मरम्मत और नवीनीकरण के लिए संपत्ति समिति द्वारा इस पर शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है।

आजीविका प्रदान करने वाले एक हिस्से के रूप में, उन्होंने स्वयं एक सिलाई मशीन खरीदकर "सिलाई परियोजना" शुरू की है। एक प्रचारक के पास इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल है। हमें शेष कलीसियाओं को 50,000 रुपये प्रति मशीन की लागत से 9 और सिलाई मशीनें उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। आईए हम प्रार्थना करें कि प्रभु शीघ्र ही प्रत्येक कलीसिया परिसर में सिलाई मशीनें उपलब्ध कराने की इस स्थानीय पहल में सहयोग करने के लिए परिवारों को प्रेरित करें।

कोलार मिशन क्षेत्र में, एफ.एम.पी.बी. सेवकाई के 30 वर्षों के कार्यकाल के विशाल परिणामों को देखा जा सकता है। यह परमेश्वर का कार्य है और परमेश्वर के चमत्कार से कम नहीं है। आईए, हम सब मिलकर प्रार्थना करें कि यह मिशन पूरे कर्नाटक राज्य में कई गुना विस्तृत हो और लोगों के लिए एक आशीष का कारण बने।

श्री जॉन सामुएल, अध्यक्ष, एफ.एम.पी.बी.

परमेश्वर की सुरक्षा

कंवर परिवार मध्य प्रदेश के भिंड में रहता है और रिसाइकिल करने योग्यकचरा इकट्ठा करके और बेचकर अपनी आजीविका चलाता है। एक दिन, रिक्शे में यात्रा करते समय, एक बड़ी दुर्घटना घटी। उनका रिक्शा सामने से आ रहे एक एलपीजी टैंकर से टकराकर पलट गया। इस अफरा–तफरी में, कंवर की पत्नी टैंकर के नीचे फँस गई, और एक अन्य यात्री बाहर गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। दुर्भाग्य से, टैंकर के चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। फिर भी,परमेश्वर की अद्भुत कृपा से, कंवर और उनकी पत्नी चमत्कारिक रूप से बिना किसी चोट के बच गए।
सचमुच, हमारे सर्वशक्तिमान परमेश्वर की दिव्य सुरक्षा के लिए उसकी स्तुति हो!

हार्दिक बधाईयाँ!

एफ.एम.पी.बी. परिवार की ओर से

हम 1947 में स्थापित चर्च ऑफ साउथ इंडिया के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, जिसने भारत के पाँच दक्षिणी राज्यों में मिशनरियों द्वारा स्थापित एंग्लिकन, मेथोडिस्ट, कॉन्ग्रेगेशनलिस्ट, लूथरन और प्रेस्बिटेरियन चर्चों का विलय किया। यह विश्वव्यापी आंदोलन की ऐतिहासिक उपलब्धि और प्रोटेस्टेंट चर्चों को एकजुट करने के उसके प्रयासों का गवाह है।

हम अपने नए **मॉडरेटर महा मान्यवर. रेव्ह. प्रो. डॉ. के. रूबेन मार्क** और सीएसआई डायोसिस के आध्यात्मिक प्रमुखों के रूप से समर्पित सभी नए बिशपों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर इन अगुवों को आशीर्वाद दें कि दिव्य बुद्धि, शक्ति और विवेक के साथ प्रत्येक कार्य को करने के लिए उन्हें ईमानदारी और करुणा के साथ सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरा कर सकें। उनका नेतृत्व कलीसियाओं को अपने विश्वास को गहरा करने, विविधता में एकता लाने और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के परिवर्तनकारी मिशन के प्रति प्रतिबद्धता के लिए प्रेरित करे।

महा मान्यवर प्रो. डॉ. के. रूबेन मार्क सीएसआई करीमनगर डायोसिस के बिशप हैं। वे 2020 में उप–संचालक बने। अब 21 जुलाई से उन्होंने सी.एस.आई. के मॉडरेटर का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने भारत और डेनमार्क में होमिलेटिक्स में उन्नत अध्ययन किया और 2015 में बिशप के रूप में अपने चुनाव से पहले विश्वव्यापी प्रोटेस्टेंट आँध्र में लगभग 20 वर्षों तक करीमनगर के क्रिश्चियन थियोलॉजिकल कॉलेज में होमिलेटिक्स के प्रोफेसर रहे।

महा–मान्यवर बिशप पॉल फ्रांसिस रविचंद्रन जिन्हें ईश्वर ने चुना है, अपनी सेवा में उपयोग किया है और अब 3 अगस्त 2025 को मद्रास डायोसीज के चौदहवें बिशप के रूप में प्रतिष्ठित हैं उन्होंने क्रिश्चियन यूनियन चर्च (अन्नामलाई नगर), क्राइस्ट चर्च (वलजाबाद), सेंट मैथ्यू चर्च (पूर्वी तांबरम), सेंट पॉल चर्च (चूलाई), सेंट मार्क चर्च (सेलईयूर), चर्च ऑफ द राइजेन रिडीमर (कोडंबक्कम), होली क्रॉस चर्च (अवाडी), और सीएसआई सेंट पीटर चर्च (कट्टूमन्नारकोइल, कुड्डालोर जिला) और विक्टोरियस क्रॉस (अशोक नगर) धर्मप्रांत की सभी कलीसियाओं में सेवा की है। उन्होंने न्यू जेरूसलेम गार्डन रिट्रीट सेंटर में समन्वयक, धर्मसभा युवा विभाग के निदेशक और बिशप तथा पादरी के रूप में नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कई धर्मप्रांतीय कार्यकारी और प्रशासनिक समितियों, क्षेत्रीय धर्मसभा परिषद और धर्मसभा परिषद में सेवा की है।

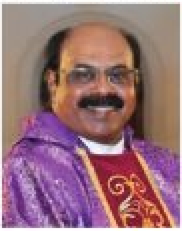

महा मान्यवर डॉ. विंसेंट विनोद कुमार, जिनको परमेश्वर ने चुना है, अपनी सेवा में उपयोग किया है और अब सी.एस.आई. कर्नाटक के पाँचवें बिशप के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उन्होंने 4 अगस्त 2025 को सेंट्रल डायसीस के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने हडसन मेमोरियल चर्च, शेफर मेमोरियल चर्च, सी.एस.आई. टॉमलिंसन चर्च, स्टीन मेमोरियल चर्च, सॉडे मेमोरियल चर्च, विलियम आर्थर मेमोरियल चर्च, सी.एस.आई. चर्च (कुनिगल), वेस्ले चर्च (तुमकुर) और संत मार्क कैथेड्राल में अपनी सेवा

प्रदान की है। उनके पुरोहिताई अनुभवों ने प्रासंगिक सेवकाई की उनकी गहरी समझ को आकार दिया। उन्होंने तुमकुर क्षेत्र परिषद के अध्यक्ष, मंत्रिस्तरीय समिति के संयोजक, डायोसीस के सहायक सचिव और डायोसीस सचिव के रूप में अपने प्रशासनिक नेतृत्व के माध्यम से भी योगदान दिया है। उन्होंने मिशन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के प्रति असाधारण प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। वे भारतीय इवेंजेलिकल मिशन में मिशनरी के रूप में भी अल्पावधि सेवा करते हैं।

महा–मान्यवर कामनुरी संतोष प्रसन्ना राव, जिन्हें परमेश्वर ने चुना और विभिन्न कलीसियाओं और सेवकाईयों में उपयोग किया है, अब 5 अगस्त 2025 को सी.एस.आई. नंदयाल धर्मप्रांत के छठवें बिशप के रूप में नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कलासापाडु, आलमपुर, कुरनूल, नंदयाल, गुंटकल, प्रोड्डातुर और चागलमार्री कलीसियाओं में सेवा की है और बिशप के चैपलीन के रूप में भी कार्य किया है। अपने सेवाकाल के दौरान, उन्होंने थांडा गाँवों और वाई.एस.आर. नगर के नए चर्च तक पहुँच की पहल की। उन्होंने कई कलीसियाओं में कुटीर प्रार्थना और उपवास प्रार्थना की शुरुआत की। उन्होंने वित समिति, वित्त समिति और शिक्षा समिति के सदस्य के रूप में चर्च संस्थाओं के विकास और संचालन में योगदान दिया। इस प्रकार, उनके पास एक मजबूत धर्मशास्त्रीय आधार, समृद्ध सेवकाई अनुभव और सेवा, विकास और देहाती देखभाल के लिए समर्पित हृदय है।

महा–मान्यवर. रेव्ह. जोस जॉर्ज, जिन्हें परमेश्वर ने विभिन्न मण्डलियों और मंत्रालयों में चुना और उपयोग किया है, अब वे 6 अगस्त 2025 को कोल्लम–कोट्टरक्करा धर्मप्रांत सी.एस.आई. के बिशप के रूप में प्रतिष्ठित नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कोल्लम, थेवन्नूर, करावलूर, निश्रमाला, पवित्रेश्वरम, मुखथला, कुंदारा पश्चिम, पहाड़ी, कुंदारा पूर्व, अत्तिंगल और मायनाड़ मण्डलियों में पुरोहित के रूप में और प्रशासनिक सूझबूझ और सामाजिक सरोकार के साथ सेवा की है, साथ ही एल.एम.एस. बी.बी. अस्पताल में पादरी, कुंदारा, अत्तिंगल सीनियर एलिजाबेथ जोएल स्कूल में बर्सर और युवा मंत्रालय में समन्वयक के रूप में कार्य किया है। इन सभी नियुक्तियों में, उनकी सेवा की विशेषता पुरोहिताई देखभाल, युवा जुड़ाव और चर्च का विकास रहा है। उन्होंने सी.एस.आई. धर्मसभा में संपत्ति बोर्ड के प्रबंधक और धर्मार्थ संस्था के प्रबंधक के रूप में भी कार्य किया है।

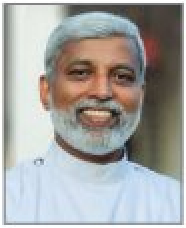

महा–मान्यवर बिशप कुरियन पीटर जिनको परमेश्वर ने अपनी सेवकाई के लिए को चुना है अब 15 अगस्त 2025 को सी.एस.आई. कोचीन धर्मप्रांत के दूसरे बिशप के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। उन्होंने नीलांबुर, मेप्पाड़ी, शोरानूर, अलुवा, एर्नाकुलम, वल्लियोथोड़े, आदिमाली, वायनाड़, मेलबर्न और फोर्ट कोच्चि में सेवा की है। उन्होंने इस धर्मप्रांत में मसीही शिक्षा निदेशक के रूप में दायित्व संभाला। जब वे संडे स्कूल के महासचिव थे, तब उन्होंने मालाबार महायिदवाक के लिए क्रिया–आधारित संडे स्कूल पाठ्यक्रम तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महा–मान्यवर रेव्ह.. डॉ. ए. जैकब लिविंगस्टन जिन्हें परमेश्वर ने चुना है, अपनी सेवा में उपयोग किया है और अब वे 16 अगस्त 2025 को सी.एस.आई. इरोड–सलेम धर्मप्रांत के प्रथम बिशप के रूप में प्रतिष्ठित किए गए है और अपना कार्यभार संभालेंगे। हम गोबी, सलेम, इरोड, शिवगिरि और भवानी में उनकी पुरोहित–संवेदनशीलता और रणनीतिक दूरदर्शिता के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं। हम धर्मप्रचार विभाग के महासचिव के रूप में उनके कार्यकाल (2016–2022) के दौरान 750 से अधिक धर्मप्रचारकों को प्रशिक्षित और विकसित करने में उनके अद्वितीय योगदान को स्मरण करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको अपने वचन में दृढ़ करे और अपने मिशन में सक्रिय रूप से शामिल विश्वासियों को मजबूत करने के लिए उपयोग करें।

द्वारा संकलितः **रेव्ह. ए.एस. फ्रैंकलिन एम.वाई. पाथम,** (संचार विभाग)

एक शिक्षक एक प्रसारक

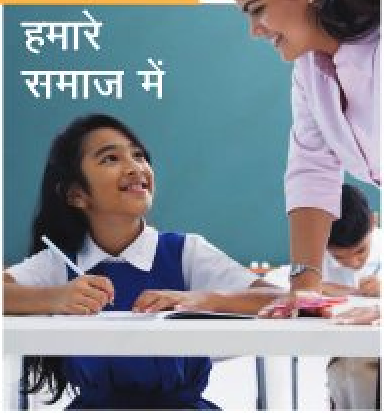

भारत में मसीही शिक्षक देश के शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 18वीं–19वीं शताब्दी में, हमारे देश में आए मिशनरियों ने सबसे पहले लोगों को विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए विद्यालयों का आरम्भ किए।

क्रिश्चियन स्कूल विविध पृष्ठभूमि के छात्रों को उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। आज, भारत में लगभग 55,000 मसीही विद्यालय हैं, जो सभी धर्मों और पृष्ठभूमियों के 2.5 करोड़ से ज्यादा छात्रों को शिक्षा प्रदान करते हैं।

भारतीय समाज

यह जटिल और बहुआयामी था, और इसकी संरचना और संस्कृति को विभिन्न प्रभावों ने आकार दिया। इसमें सामाजिक पदानुक्रम, सांस्कृतिक और आर्थिक पहलू थे, और मिशनरी–पूर्व भारतीय समाज पारंपरिक प्रथाओं, सामाजिक पदानुक्रमों और सांस्कृतिक प्रभावों के मिश्रण से चिह्नित था।

शिक्षकों ने कक्षा–कक्ष से कहीं आगे जाकर सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शिक्षकों ने समाज पर कई महत्वपूर्ण प्रभाव डाले हैं: आर्थिक विकास में सहयोग, सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा, नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा, ज्ञान का निर्माण, नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना, भावी नागरिकों का निर्माण, छात्रों को सशक्त बनाना और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण।

एफ.एम.पी.बी. ने जनजातीय समुदाय के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, विशेष रूप से शिक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक गतिशीलता के क्षेत्रों में।

यहाँ उनके योगदान का अवलोकन प्रस्तुत किया गया है:

A. **शिक्षा:** एफ.एम.पी.बी. ने जनजातीय समुदायों को शिक्षित करने और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए बालवाड़ी (प्री–स्कूल) और वयस्क साक्षरता पहल सहित स्कूल और साक्षरता कार्यक्रम स्थापित किए हैं।

B. **आर्थिक विकास:** एफ.एम.पी.बी. ने जनजातीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कृषि, बीज बैंक और लघु–स्तरीय ऋण जैसे कार्यक्रम लागू किए हैं।

C. **व्यावसायिक प्रशिक्षण:** एफ.एम.पी.बी. जनजातीय व्यक्तियों को कौशल से लैस करने, उनकी रोजगार क्षमता और सामाजिक–आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

D. **सामुदायिक परिवर्तन:** संतृप्ति प्रचार और सामुदायिक विकास पहलों के माध्यम से, एफ.एम.पी.बी. का लक्ष्य जनजातीय समुदायों में समग्र परिवर्तन लाना है, जिसमें भौतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं को संबोधित किया जाता है।

शिक्षा, आर्थिक अवसर और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करके, एफ.एम.पी.बी. ने कई जनजातीय व्यक्तियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, तथा सामाजिक गतिशीलता और

सामुदायिक विकास को बढ़ावा दिया है।

अब, भारत में स्कूलों और शिक्षकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जो शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है.

यहाँ प्रार्थना के लिए कुछ प्रमुख बातें दी गई हैं:

A. विद्यालयों के लिए प्रार्थना विषय:

बुनियादी ढाँचे का विकास: कई विद्यालयों में, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, कक्षाओं, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं और स्वच्छता सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

डिजिटल विभाजन: डिजिटल विभाजन एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है, क्योंकि कई छात्रों के पास विश्वसनीय इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिवाइस और डिजिटल संसाधनों तक पहुँच नहीं है।

समानता और समावेशन: विद्यालयों में असमानताएँ बनी हुई हैं, हाशिए पर रहने वाले समुदायों, दूरदराज के क्षेत्रों और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों को शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है, जिसमें रटंत शिक्षा से हटकर समग्र और कौशल–आधारित दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

B. शिक्षकों के लिए प्रार्थना विषय:

शिक्षकों की कमी और गुणवत्ता: कई क्षेत्रों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित और योग्य शिक्षकों की कमी है, साथ ही भर्ती, प्रशिक्षण और शिक्षकों को बनाये रखने में भी समस्याएँ हैं।

सीमित शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास: शिक्षकों के पास अक्सर व्यावसायिक विकास और वृद्धि के अवसरों की कमी होती है, अपर्याप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम और आधुनिक शैक्षणिक विधियों के बारे में सीमित जानकारी होती है।

बड़ी कक्षाएँ: उच्च छात्र–शिक्षक अनुपात के कारण शिक्षकों के लिए व्यक्तिगत छात्रों पर ध्यान केंद्रित करना तथा उनकी विशिष्ट शिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

प्रशासनिक कार्य: शिक्षक प्रायः प्रशासनिक कार्यों पर काफी समय खर्च कर देते हैं, जिससे वह समय नष्ट हो जाता है जो पाठ योजना और छात्र संलग्नता पर खर्च किया जा सकता था।

अभिभावकों की अपेक्षाएँ: शिक्षकों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन और विकास की संभावनाओं के संबंध में अभिभावकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए दबाव का सामना करना पड़ता है।

C. सामान्य चुनौतियाँ:

परीक्षा का दबाव: परीक्षा और ग्रेड पर जोर देने से तनाव होता है और रचनात्मक और समग्र सीखने के अवसर सीमित हो सकते हैं।

संसाधनों की कमी: अपर्याप्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ और शिक्षण उपकरण प्रभावी शिक्षण और सीखने में बाधा डालते हैं।

छात्र अनुशासन: कक्षा में व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जिसमें छात्रों की अनुशासनहीनता, बदमाशी, आज्ञाकारिता, शिक्षकों और बड़ों का सम्मान न करना और प्रेरणा की कमी जैसे मुद्दे शामिल हैं।

अंततः, अच्छे क्रिश्चियन सकूलों और शिक्षकों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

कुछ अपेक्षाएँ नीचे दी गई हैं:

1. भावी नागरिकों को आकार देना– छात्रों में मूल्यों, नैतिकताओं और ज्ञान का संचार करना, उन्हें जिम्मेदार नागरिकता के लिए तैयार करना, अनुशासन, सहानुभूति और मजबूत नैतिक मूल्यों के माध्यम से चरित्र विकास को बढ़ावा देना।
2. समग्र विकास – शैक्षणिक उत्कृष्टता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देना,

समग्र विकास के लिए पाठ्येतर गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।

3. समुदाय का निर्माण– सीखने और विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण बनाएँ, सहयोगात्मक परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाएँ, समावेशिता को बढ़ावा दें और टीम वर्क को प्रोत्साहित करें।
4. शांति और समझ को बढ़ावा देना – छात्रों को व्यवहार संबंधी मुद्दों पर मार्गदर्शन देना, क्रोध और शत्रुता को कम करना, शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व, सहिष्णुता और सम्मानजनक संचार के मूल्यों को विकसित करना।
5. विश्वास का निर्माण – छात्रों को परमेश्वर के साथ गहरा रिश्ता विकसित करने और मसीही मूल्यों को समझने में मदद करें, छात्रों को सेवक अगुवे बनने के लिए प्रोत्साहित करें, प्रेम की सभ्यता का निर्माण करें।
6. सकारात्मक रोल मॉडल– शिक्षक एक आदर्श रूप में कार्य करते हैं, मसीही मूल्यों और नैतिकता का प्रदर्शन करते हैं, छात्रों को अपने समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन के एजेंट बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

शिक्षक सामुदाय पर हमारे प्रभु यीशु मसीह की हमसे अपेक्षाओं पर कुछ बाइबलीय सिद्धांतः

1. परमेश्वर और लोगों से प्रेम करें: शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे परमेश्वर से पूरे हृदय, आत्मा, मन और शक्ति से प्रेम करें, तथा अपने पड़ोसियों से अपने समान प्रेम करें, तथा करुणा, दया और सहानुभूति को प्रदर्शित करें।
2. परमेश्वर के वचन का पालन करें: शिक्षकों को परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना चाहिए, उसकी इच्छा को प्राथमिकता देनी चाहिए और दूसरों को भी ऐसा करने की शिक्षा देनी चाहिए, जैसा कि यीशु ने मत्ती 28:18–20 में जोर दिया था।
3. विनम्रता से चलें: शिक्षकों को अपने जीवन और शिक्षण में परमेश्वर की संप्रभुता और मार्गदर्शन को पहचानते हुए, परमेश्वर के साथ विनम्रता से चलने के लिए बुलाए गए हैं।
4. न्याय करें और दया दिखाएँ: शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे न्यायपूर्ण व्यवहार करें, दया से प्रेम करें और दया दिखाएँ, तथा अपने व्यवहार में परमेश्वर के चरित्र को प्रतिबिम्बित करें।
5. आध्यात्मिक विकास को प्राथमिकता दें: शिक्षकों को आध्यात्मिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, दूसरों को परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करने और अपने विश्वास को प्रामाणिक रूप से जीने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
6. स्वयं को नकारना: सभी शिष्यों की तरह शिक्षकों को भी स्वयं को नकारने, अपना क्रूस उठाने और निःस्वार्थता और समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए यीशु का अनुसरण करने के लिए कहा जाता है।
7. सत्य सिखाएँ और दूसरों को प्रोत्साहित करें: शिक्षकों को प्रभावी ढंग से सत्य का संचार करना चाहिए, दूसरों को प्रोत्साहित करना चाहिए और उनके विश्वास को मजबूत करना चाहिए।
8. यीशु की शिक्षाओं को प्रतिबिंबित करें: शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे यीशु की शिक्षाओं और मूल्यों को प्रतिबिंबित करें, तथा जीवन और शिक्षा के सभी पहलुओं में विश्वास को एकीकृत करें।

निष्कर्षः भारत जैसे–जैसे अपने जटिल शैक्षिक परिदृश्य से जूझ रहा है, मसीही शिक्षक अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित हैं। चुनौतियों के बावजूद, वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते रहते हैं और अनगिनत छात्रों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित करते हैं।

श्रीमती बेरिल योगाराज, सेवानिवृत्त केवी शिक्षक, आवड़ी

नल्लामदा मिशन क्षेत्र

— एक झलक

Map of Sri Sathya Sai District

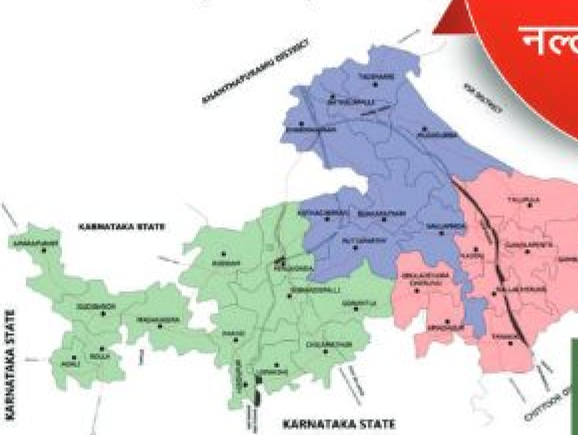

आंध्र प्रदेश दक्षिण भारत के पूर्वी तट पर स्थित एक राज्य है। यह देश का सातवाँ सबसे बड़ा और दसवाँ सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। भारत की शास्त्रीय भाषाओं में से एक, तेलुगु, राज्य की सबसे व्यापक रूप से बोली जाने वाली और आधिकारिक भाषा है। अमरावती राज्य की राजधानी है, जबकि विशाखापत्तनम इसका सबसे बड़ा शहर है। आँध्र प्रदेश की सीमाएँ उत्तर–पूर्व में ओड़िशा, उत्तर में छत्तीसगढ़, दक्षिण–पश्चिम में कर्नाटक, दक्षिण में तमिलनाडु, उत्तर–पश्चिम में तेलंगाना और पूर्व में बंगाल की खाड़ी से लगती हैं। इस राज्य की तटरेखा भारत में सबसे लंबी है।

जन समूह एवं संस्कृतिः आंध्र प्रदेश के सामाजिक ताने–बाने में कई जातियाँ प्रमुख भूमिका निभाती हैं: तेलुगु लोग बहुसंख्यक आबादी बनाते हैं। इसके अलावा, यहाँ महत्वपूर्ण जनजातीय समुदाय भी हैं, जिनमें गोंड —सबसे बड़ी स्वदेशी जनजाति–के साथ–साथ सवारा, पोरजा और अन्य उप–समूह शामिल हैं। राज्य में एक उल्लेखनीय मुस्लिम आबादी और एक छोटा मसीही समुदाय भी है। कापू: एक प्रमुख जाति, विशेष रूप से तटीय आंध्र में, जो अक्सर "नायडू" उपाधि का प्रयोग करती है। रेड्डीः कई उप–समूहों वाली एक प्रमुख जाति, जो कृषि, पशुपालन, व्यवसाय और सरकारी नौकरियों में शामिल है। मड़िगाः पारंपरिक रूप से कृषि श्रम, चमड़े के काम और अब सरकारी नौकरियों में लगे हुए हैं। ओड्डेः पत्थर तोड़ने के लिए जाने जाते हैं। पद्मशालीः पारंपरिक रूप से बुनाई, कृषि, कपड़े धोने की सेवाओं और व्यवसाय में शामिल हैं।

स्थानीय व्यंजन बहुत मसालेदार होते हैं। आम व्यंजनों में दाल/ पप्पू, मूंगफली की चटनी और गोंगुरा (एक खट्टी हरी पत्तेदार सब्जी) शामिल हैं। रागी मुद्दा (बाजरे के गोले) भी कई बाहरी लोगों के लिए लोकप्रिय और अपरिचित है। विवाह की परंपराओं के संदर्भ में, बड़े परिवार में ही विवाह करना आम बात है। इस संस्कृति में अरेंज और लव, दोनों तरह के विवाह स्वीकार किए जाते हैं।

नल्लमदा मिशन क्षेत्र (रायालासीमा, अनन्तपुर जिला) में सेवकाई: नल्लमदा श्री सत्यनारायण मंदिर में एक शहर है। साई जिला, नल्लामादा के भीतर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर का मंडल। यह रायलसीमा क्षेत्र का हिस्सा है और अनंतपुर जिला मुख्यालय से लगभग 85 किमी दक्षिण में स्थित है। नल्लमदा एक मंडल मुख्यालय के रूप में कार्य करता है। स्थानीय भाषा तेलुगु है। कस्बे की कुल जनसंख्या 10,944 है। साक्षरता दर 55.92% है, जिसमें पुरुष साक्षरता 66.41% और महिला साक्षरता 44.64% है। नल्लमदा में 10 गाँव हैं और यह अपने मंदिरों और पास में स्थित एक झरने के लिए प्रसिद्ध है, जो एक पर्यटन स्थल बनने की क्षमता रखता है।

फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड (FMPB) ने 23 अगस्त 2021 को नल्लामदा में एक मिशन क्षेत्र खोला और श्री दिनेश मड़ैया के परिवार को इस नए क्षेत्र में सेवा करने के लिए नियुक्त किया। श्री दिनेश और उनके परिवार को शुरुआत में कई चुनौतियों का

सामना करना पड़ा, जिनमें भाषा संबंधी बाधाएँ और निजी वाहन की कमी शामिल थी। वे मुख्य रूप से मड़िगा, बोया, एरुकुलु और पद्मशाली समुदायों के बीच सेवा करते हैं। अनुयायियों की बड़ी संख्या मड़िगा जाति से आते हैं।

चुनौतियाँ: जाति व्यवस्था सुसमाचार के प्रसार में एक बड़ी बाधा है। ऊँची जाति के लोग नीची जाति के लोगों को अपने घरों में नहीं आने देते हैं उनके साथ भोजन नहीं करते और वस्तुओं का आदान–प्रदान करने से बचते हैं। प्रत्येक समुदाय अपने कुलदेवता की भी पूजा करती है। इस क्षेत्र में विभिन्न अंधविश्वास प्रचलित हैं:, "विधवाओं को अक्सर उपेक्षित या हाशिए पर रखा जाता है" लोग मांसाहारी भोजन ले जाते समय बुरी आत्माओं को दूर भगाने के लिए लकड़ी का कोयला साथ रखते हैं ' यदि कोई बच्चा बहुत अधिक रोता है, तो कुछ लोग स्थानीय अनुष्ठान या तंत्र–मंत्र करते हैं, यह विश्वास करते हुए कि इससे उसका रोना बंद हो जाएगा।

हालाँकि, परमेश्वर की कृपा से, अब तक सुसमाचार का कोई प्रत्यक्ष विरोध नहीं हुआ है।

परमेश्वर के कार्य

हमारे पहले विश्वासी, श्री जोसेफ, पैरों में गंभीर दर्द से पीड़ित था और ठीक से चल नहीं पा रहे थे। परमेश्वर ने मड़ैया परिवार को पेड़ की डाली गिरने से और उनकी पत्नी और बच्चे को घर में घुसे सर्प के डँसने से बचाया।

प्रार्थना करें:

1. लोगों को उनके अंधविश्वासों से मुक्ति प्राप्त हो
2. दलित लोगों को उच्च जाति के वर्चस्व से मुक्त कर समाज में ऊपर लाया जाए।
3. परमेश्वर विश्वासियों को नियमित रूप से प्रार्थना सभा में भाग लेने और अपने आध्यात्मिक विकास के लिए प्रेरित करें।
4. मसीह के पंथ में और अधिक संख्या में विश्वासी जुड़ें और मण्डली में लोगों की संख्या बढ़े।
5. नल्लमदा क्षेत्र के अधिकांश लोग मानव गुरु के उपासक हैं और यीशु के अलावा अन्य लोगों में भी आस्था रखते हैं प्रार्थना करें कि कि वे यीशु को एकमात्र सच्चा परमेश्वर जान सकें।
6. इस क्षेत्र में चर्च बनाने के लिए भूमि की आवश्यकता के लिए प्रार्थना करें।
7. हमारे मिशनरी श्री. दिनेश मड़ैया, पत्नी श्रीमती मैरी मुर्मू, पुत्र एल्विन और पुत्री जॉयसलीन के लिए प्रार्थना करे कि परमेश्वर इस परिवार को अपने राज्य के लिए शक्तिशाली ढंग से इस्तेमाल करें।

महा–मान्यवर डॉ. पौल स्वरुप से मुलाकात

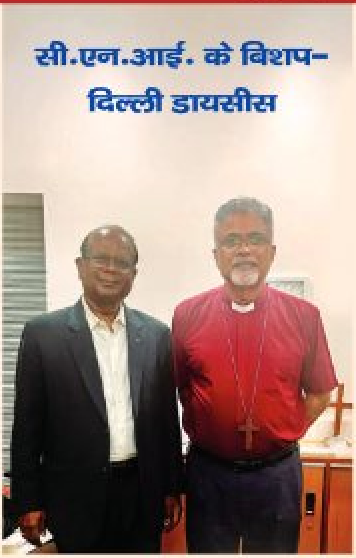

महा–मान्यवर रेव्ह. डॉ. पौल स्वरुप मिशन निर्माण के एक महान दूरदर्शी हैं। जब मैं उनसे 18 अगस्त 2025 को दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में मिला, तो मैंने उन्हें एफ.एम.पी.बी .के व्यापक दृष्टिकोण के बारे में बताया, जो देश के हर हिस्से, खासकर उत्तर भारत को प्रभावित करता है। वे हरियाणा और दिल्ली में एफ.एम.पी.बी, यूईएसआई और गिदोन्स के साथ मिलकर काम करने की इच्छा रखते हैं। हम धन्य हैं कि परमेश्वर ने दूरदर्शी और जुनूनी एक महान अगुवे को दिल्ली के बिशप के रूप में नियुक्त किया है।

वह न्यू इंटरनेशनल वर्जन के अनुवादकों की अंतर्राष्ट्रीय टीम के पंद्रह सदस्यों में से एक हैं। उन्होंने निर्गमन, नीतिवचन, यिर्मयाह और विलापगीत पर भाष्य लिखे हैं और साउथ एशिया बाइबल कमेंट्री के पुराने नियम के संपादकों में से भी एक रहे हैं। वे एक प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय विद्वान हैं और 2022 में लैम्बेथ सम्मेलन में एक वक्ता रह चुके हैं। वे एफ.एम.पी.बी. के पूर्व उपाध्यक्ष के रूप में इससे काफी जुड़े रहे हैं। हमें उनके और सी.एन.आई. कलीसिया के लिए प्रार्थना करनी चाहिए कि प्रभु कलीसिया के माध्यम से देश के लोगों को ईश्वर–प्रेरित मूल्यों से प्रभावित करें।

जॉन सामुएल, अध्यक्ष एफ.एम.पी.बी.

सितम्बर 1
सोमवार

जन्मदिन मुबारक
श्री विंसेंट प्रेमराज

जम्मू
उधमपुरः
अरुण घंटा एवं रेणु घंटा

स्तुतिः नीतू देवी, पुशन कुमार और सोकनलाल पवनकुमार ने प्रभु को स्वीकार किया और आराधना सभा में शामिल हो रहे हैं। कुछ लोगों ने यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया। सिरला और सकपक्था गाँवों में बच्चों का बाइबल क्लब बिना किसी बाधा के संचालित किए गए। विरोध और उत्पीड़न के बीच, हमारे मिशनरियों और विश्वासियों की अद्भुत सुरक्षा के लिए परमेश्वर की महिमा हो।

प्रार्थनाः रीता देवी को दुष्टात्माओं के बंधन से मुक्ति मिले। पिछले कुछ महीनों से पेट दर्द से पीड़ित 7 वर्षीय पवन कुमार की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। प्रभु आगामी सेवकाई पर अपनी दया बनाए रखे। काले जादू और भूत–प्रेतों के बंधन में जकड़े लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। बघाट समुदाय की नीतू देवी की चंगाई और उनके परिवार को यीशु मसीह में उद्धारक विश्वास प्राप्त हाने के लिए प्रार्थना करें।

अखनूरः
विद्युत कुमार सिंह एवं सुचित्रा लीमा

स्तुतिः लता गाँव के एक व्यक्ति ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। कोट चर्च में आयोजित सत्संग कार्यक्रम में 200 लोगों ने भाग लिया और सुसमाचार सुना। कोट चर्च की निशा को हृदयाघात से चमत्कारिक रूप से स्वस्थ होने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। कई दिनों की प्रार्थना के बाद, प्रभु ने दानियल को अपनी आजीविका के लिए एक ऑटो खरीदने में सहायता की। आउटरीच सेवकाई के माध्यम से कई लोगों ने सुसमाचार सुना है।

प्रार्थनाः उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया है ताकि वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर जम्मू क्षेत्र में भी अपने द्वार खोलें, भले ही सुसमाचार प्रचार के लिए यह एक कठिन क्षेत्र हो। प्रार्थना करें कि स्थानीय लोगों को विश्वासी के रूप में विकसित किया जाए जो इस सेवा में भाग ले सकें। गुरुओं और पूर्वजों की धार्मिक प्रथाओं में विश्वास रखने वाले लोगों को सच्चा जीवन की ज्योति प्राप्त हो। कोट चर्च के तान्या और उनकी दो बेटियों की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने पिता सादिक को खो दिया है। हमारी मिशनरी सुचित्रा लीमा को कूल्हे की चोट से चंगाई मिले। परमेश्वर मिशनरियों को प्रदत्त बुद्धि प्रदान करे ताकि इस क्षेत्र में दी गई नई जिम्मेदारी में संस्कृति और भाषा के अनुकूल ढल सकें।

सितम्बर
2
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अंजना मसीह सत्य प्रकाश

नौशेराः शेख सुभानी एवं एमी बक्या

स्तुतिः डांगरी गाँव के उन कुछ लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया। घई चर्च में आयोजित युवा सम्मेलन में भाग लेने वाले 7 युवाओं में से 3 अविश्वासी थे और उन्होंने अपना जीवन यीशु मसीह को समर्पित कर दिया है। 3 स्थानों पर आयोजित वीबीएस कार्यक्रम में 23 नए बच्चों ने भाग लिया और उन्हें आशीष मिला। घन्या गाँव के एक नए संपर्ककर्ता, जो बहुत गरीब था और जिसके पास उचित आवास का अभाव था, ने प्रभु से प्रार्थना की; और प्रभु ने उन्हें घर बनाने के लिए सरकारी सहायता प्रदान की। पिंकी देवी, जो विश्वास से पीछे हट गई थीं, विश्वास के साथ प्रभु के पास वापस आ गई हैं। प्रभु ने पल्ली गाँव के दो नए परिवारों को जीवनदान दिया जो चर्च की सेवाओं में भाग ले रहे हैं।

प्रार्थनाः नोनियाल गाँव की मिंद्रो देवी के लिए, जो तंत्रिका संबंधी समस्या से पीड़ित हैं और दिन–प्रतिदिन कमजोर होती जा रही हैं, ताकि वे स्वस्थ हो सकें। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रभु यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया है। हृदय रोग से पीड़ित गल्ली गाँव की सुंदरी को परमेश्वर चंगाई दे। अंजलि और उसके नवजात शिशु, जिसका जन्म एक सरकारी अस्पताल में हुआ था, अस्पताल की लापरवाही के कारण जटिलताओं से जूझ रहे हैं, प्रार्थना करें कि उन्हें चंगाई मिले। मनोहर का परिवार, जो एक विद्रोही पुत्र के कारण अलग हो गया है, प्रभु द्वारा पुनः एक हो जाएं और उन्हें पुनः स्थापित कर दे। कविता, हिमांग, आकाश, साहिल और चांदनी के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हैं, परन्तु विभिन्न बाधाओं के कारण अंतिम समय में पीछे हट जाते हैं, प्रभु में स्पष्टता प्राप्त कर सकें।

प्रार्थना समर्थन की आवश्यकता है

केशव मध्य प्रदेश के मुरैना क्षेत्र के एक छोटे से गाँव में रहता हैं, जहाँ उसके परिवार को यीशु मसीह में अपनी आस्था के कारण कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दुष्टात्माओं के प्रभाव में आकर गाँव के लोग उन्हें कई तरह से परेशान करते रहे हैं। अजीबोगरीब घटनाएँ घटती हैं–उनके घर में कभी आग लग जाती है, गाय का दूध जहरीला हो जाता है, घर का सामान रहस्यमय तरीके से गायब हो जाता है, जहरीले कीड़े उनके घर में घुस आते हैं, और यहाँ तक कि उनके घर पर पत्थर भी फेंके जाते हैं। एक बार, जब परिवार आराधना के लिए इकट्ठा हुआ था, तो उनके पहने हुए कपड़ों में अचानक आग लग गई। इन सभी हमलों के बीच, केशव का परिवार प्रार्थना में अडिग और अपने विश्वास में अटल रहा है। साथी विश्वासियों के रूप में, आईए हम इस परिवार के लिए सच्चे मन से परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह उन्हें अपनी सुरक्षा प्रदान करें और उन्हें अंधकार के हर कार्य पर विजय प्रदान करे।

सितम्बर

3

उपवास प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्री एगलैवन जेम्स के.
श्रीमती विंग होई किम जिन स्वाम

हिमाचल

करसोगः पवन कुमार एवं प्रभाशिनी देवी

स्तुतिः चंपा को पेट की एक अज्ञात बीमारी से जिसका पता स्कैन के द्वारा पता चला था प्रभु ने प्रार्थनाओं के माध्यम से चंगाई प्रदान किया, जिससे यह सिद्ध हुआ कि परमेश्वर सब कुछ कर सकता है जो चिकित्सा विज्ञान भी नहीं समझा सकता। दक्ष को रात में नींद नहीं आती थी और वह अक्सर चीखते हुए उठता था मानो उसे किसी दुष्टात्मा ने सताया हो; प्रभु ने उसे मुक्ति दी और अब वह चौन की नींद सोता है। रूबेन को त्वचा की गंभीर एलर्जी सं चंगाई मिली। सपना, जो अपने विश्वास से विमुख हो गई थी, पश्चाताप करके प्रभु के पास वापस आ गई। सुनीता अपने जीवन के तमाम संघर्षों के बावजूद, प्रभु के अटूट प्रेम को थामे हुए, अपने विश्वास को बनाए रखने में सक्षम है। वी.बी.एस. कार्यक्रम ने उपस्थित सभी लोगों में विश्वास के बीज बोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि सपना के बेटे आशीष को मुँह की बीमारी से चंगई मिले। वी.बी.एस. कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों में प्रभु के प्रति विश्वास और प्रेम बढ़े। प्रार्थना करें कि संजय के परिवार में यीशु मसीह का प्रकाश सदैव चमकता रहे। प्रार्थना करें कि दक्ष भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत हो और उसके हृदय में किसी भी तरह का डर हावी न हो। सुनीता अपने विश्वास में दृढ़ रहे।

रामपुरः दौजापाओ गुईटे एवं फ्लोरेंस लैमवुंग

स्तुतिः टाकलेक चर्च की रामलाल रसोई में खाना बनाते समय कुकर फटने से चमत्कारिक रूप से बच गईं। टाकलेक चर्च का मोहनलाल के बेटे विनोद का अपेंडिक्स फट गया था जिससे पेट में तेज दर्द होने लगा था। परमेश्वर का धन्यवाद हो कि किसी भी जटिलता के उत्पन्न होने से पहले ही उनकी सर्जरी हो पाई। 8 नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। विश्वासियों की मण्डली में दो अनमोल आत्माएँ जुड़ गईं। सुसामचार प्रचारक वीरेंद्र की पत्नी ने आईवीएफ फर्टिलिटी ट्रीटमेंट करवाया और 12 साल के वैवाहिक जीवन के बाद परमेश्वर की कृपा से गर्भधारण की। भवदीप ने एक चर्च के निर्माण के लिए जमीन दान करने की सहमति दी है। 5 साल की आरोही की अपेंडिक्स की सर्जरी सफल रही।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि कला देवी की पित्ताशय निकालने की सर्जरी सफल हो। पिछले कुछ महीनों में सेवा के दौरान प्राप्त नए संपर्कों में उनके विश्वास की वृद्धि हो। कुछ लोग जो एक दशक से भी ज्यादा समय से विश्वासी हैं, वे अभी भी अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से डरते हैं। प्रार्थना करें कि वे अपने सामाजिक भय पर विजय पा सकें। संबंधित व्यक्तियों से एवेरी में चर्च निर्माण के लिए स्वीकृति मिलने के लिए प्रार्थना करें। हमारे मिशनरी के बेटे जोएल की आँखों की सफल सर्जरी और स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करें।

सितम्बर

4

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मलंगमेई सानालुंग डिटुंगबोउ

रिकोंगपिओः

ए शंकर एवं दुर्गा देवी

स्तुतिः उन सभी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो सार्वजनिक विश्वास की स्वीकारोक्ति समारोह और इसके स्पष्ट निहितार्थों को समझने में मदद के लिए आयोजित कक्षाओं के लिए तैयार हो रहे हैं। मूरंग में एक व्यक्ति ने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। निर्मला, प्रकाश और भगत चंद जैसे विश्वासी परिवारों को भूस्खलन से बचाया गया जो उनके घर में रुक गया था। अमित पटसरी और राज जैसे नए आए परिवार नियमित रूप से चर्च की आराधना सेवाओं में भाग ले रहे हैं।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि आगामी वीबीएस कार्यक्रम, विश्वासियों और युवा शिविरों को सफलतापुर्वक आयोजित किया जा सके। 26 वर्षीय दिलीप कुमार के उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो एक दुष्टात्मा की पीड़ा से ग्रस्त है और अपनी ही माँ की हत्या का प्रयास करने के लिए विवश है। हमारी विश्वासी वीना और स्वाती की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। घायल टखने के कारण चलने में असमर्थ रामप्यारी को प्रभु चंगाई दे। प्रशिक्षु मिशनरियों प्रकाश और लुनखोहाओ के लिए प्रार्थना करें कि वे अपनी समर्पण में दृढ़ रहें।

पंजाब

अहमदगढ़ मंडीः

कृपा रक्षणा बर्रे एवं शकीना एस.

स्तुतिः कोंगनवोर और दरियापुर के दो दूरदराज के गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया जहाँ कई लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना; उनमें से कुछ लोग विश्वासी बने और विश्वासियों के समूह में शामिल हो गए। 6 नए परिवारों ने भी आराधना में भाग लेना शुरू कर दिया है। डायरिया से पीड़ित और गंभीर हालत में तीन साल की मीना, प्रार्थना और सरकारी अस्पताल में इलाज के जरिए चंगाई पाई। सोकथली नाम के एक नए व्यक्ति ने काले जादू से मुक्ति के लिए प्रार्थना की क्योंकि उसका व्यवसाय घाटे में चल रहा था और प्रभु ने हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और व्यवसाय में सुधार आया।

प्रार्थनाः 4 नए गाँवों में होने वाला आगामी आउटरीच सेवकाई के लिए प्रार्थना करें। आँखों की बीमारी से पीड़ित हमारे विश्वासी धर्मेंद्र के 12 वर्षीय पुत्र अर्जुन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। राजकोट चर्च के विश्वासियों के लिए कि वे विश्वास और वचन में दृढ़ हों। अपने पति द्वारा त्याग दिए जाने के कारण बीना अब अपने दो बच्चों के साथ अकेली रह रही है, प्रार्थना करें के सुलह होने पाए। हमारे मिशनरी की सबसे छोटी बेटी बर्रे रानी, जो अपनी बाईं आँख के पास विटिलिगो का इलाज करवा रही है, प्रार्थना करें के वह चंगाई पाए।

सितम्बर 5 शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री एज़ेकियाह आर.
श्री धर्मेंद्र परिछा

बुधलाड़ा:

प्रताप राहंग एवं रश्मि प्रवाह

स्तुतिः चार गाँवों में आउटरीच सेवकाई की गई। लगभग 50 लोगों ने एक गाँव में दिखाई गई जीज़स फिल्म देखी। हमारे अस्थायी स्वयंसेवक थॉमस को पूर्णकालिक सेवकाई के लिए तैयार किया जा रहा है। कुलदीप की जान गंभीर हृदयाघात से बच गई। सोमा रानी की अपने बेटे के लिए एक सुखद विवाह की प्रार्थना पूरी हुई। बलबिंदर सिंह के पारिवारिक विवाद परमेश्वर की कृपा से सुलझ गया।

प्रार्थनाः भटिंडा, गोनियाना, साबोके, तलावंडी और भाई बागता में सेवा के विस्तार के लिए एक नए प्रचारक मिलने के लिए प्रार्थना करें। राजा सिंह, हरमन और बागी के परिवारों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु के पास वापस आएँ। हैप्पी सिंह और पूजा रानी को दुष्टात्माओं के बन्धन से मुक्ति मिले। गुरप्रीत सिंह को अवसाद से छुअकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें जिसने एक स्थानीय धोखाधड़ी में 20,000 रुपये गँवा दिए थे। आजाद को नशे की लत से मुक्ति मिले और उसका परिवार मसीह के पास आए। आकाशदीप, अर्शदीप और महेंद्र सिंह के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास की घोषणा करें।

मालवा क्षेत्रः

राजेंद्रन जे. एवं हैना मैरी

स्तुतिः मोगा मिशन क्षेत्र के नए गाँवों – इंदगढ़ और किशनपुरा में सुसमाचार प्रचार किया गया। अमृतसर मिशन क्षेत्र के खासा उपकेंद्र, नथुपुरा और गांधीनगर गाँवों में छोटे प्रार्थना कक्ष समूह शुरू किए गए हैं। प्रभु ने खासा मण्डली के लिए एक उपयुक्त आराधना स्थल प्रदान किया। सिकंदर सिंह और सुखवीर कौर की पत्नी को दुष्टात्मा के बंधन से, बिंदु को शरीर की सूजन से और चिंदर को माइग्रेन की समस्या से छुटकारा मिली।

प्रार्थनाः मोगा मिशन क्षेत्र के धर्मकोट कलीसिया में बाल विकास केन्द्र शुरू करने के प्रयासों की सफलता के लिए प्रार्थना करें। त्वचा की समस्या से पीड़ित निक्क, लकवाग्रस्त मुलान गाँव की रानी कौर और पिछले 20 वर्षों से चलने में असमर्थ नागल गाँव की किरण की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। परमजीत और बटाला फील्ड में विश्वासियों के बीच नशीली दवाओं की बिक्री बंद हो। स्वतंत्र पादरियों द्वारा विश्वासियों को भ्रमित करने वाली विधर्मी शिक्षाओं पर पवित्र आत्मा की शक्ति से लगाम लगे।

सितम्बर
6
शनिवार

जन्मदिन मुबारक
श्री शेख सुभानी

उत्तराखंड

नानकमत्ताः

रामासामी वी. एवं एंथोनी राजम

स्तुतिः अंकिता, विनय और अमित को प्रार्थनाओं के फलस्वरूप उन्हें अच्छी नौकरी मिली। अमृत सिंह को प्रार्थनाओं के फलस्वरूप कूल्हे के गंभीर दर्द से चंगाई मिली। जब एंजेल ने प्रार्थना की, तो प्रभु ने उन्हें निमोनिया की गंभीर स्थिति से चंगाई प्रदान किया। संगीता को सर्जरी के बाद गर्भाशय में आई सूजन से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः स्थानीय गुरुद्वारा समिति की धमकी के कारण, हरया गाँव के विश्वासियों ने आराधना में आना बंद कर दिया है और बाइबलें भी लौटा दी हैं। सुसमाचार का विरोध करने वालों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें कि वे हमारे प्रभु के प्रेम का अनुभव कर सकें। सिंह को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। विभिन्न रोगों से पीड़ित हमारे मिशनरी की पत्नी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। दियोरी गाँव के चर्च एल्डर सतवीर सिंह की मृत्यु के कारण, उनके परिवार के सदस्यों ने आराधना सभा रोक दी है। प्रार्थना करें कि प्रभु परिवार के सदस्यों के हृदय में कार्य करे और आराधना सभा पुनः आरम्भ हो सके।

दिनेशपुरः

शिव कुमार एवं सुशीला मारक

स्तुतिः धेजाबैजिया निवासी कुलवंत और मकानसिंह को उनके परिवारजनों की प्रार्थनाओं के माध्यम से उन पर लगे झूठे आरोपों से मुक्ति मिली। परमेश्वर ने हमारे विश्वासी के बेटे को दुर्घटना से बचाया जबकि उसकी गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। धर्म भाई ने अपनी आजीविका के लिए एक दुकान खोलने में सक्षम हुआ।

प्रार्थनाः धेजाबैजिया गाँव में प्रभु की आराधना के लिए एक स्थायी स्थान मिलने के लिए प्रार्थना करें। लकवा से पीड़ित मुख्तार सिंह प्रार्थना सभाओं में भाग ले रहा है, अगगुस, जो गले में सिस्ट के कारण खाना नहीं खा पा रहा है, और अमरप्रीत सिंह, जो एक दुर्घटना में घायल हो गया था, इन सब की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

सितम्बर 7 रविवार

राजस्थान

तपुकारा: जॉनसन तमिलसेल्वन (सेवानिवृत्त) एवं राजम्मल जॉनसन; दानियल मार्वल राज एवं जेबासिली

स्तुति: परमेश्वर ने चर्च के एल्डर्स को परमेश्वर के वचन का प्रचार करने और बाइबल अध्ययन प्रशिक्षण में भाग लेने में सहायता की। बिजली का झटका लगने पर रविंदर की जान चमत्कारिक रूप से बच गई। मिशनरी जेबासिली द्वारा संचालित बाईबल अध्ययन अनेक बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ रहा है। प्रार्थना करें कि ईश्वरसिंह को दुष्टात्माओं के बन्धन से मुक्ति मिले। जब सीमा के पति अपने कार्यस्थल पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, तो हमारे मिशनरी ने विश्वासियों के साथ मिलकर प्रार्थना की और प्रभु ने उन्हें चंगा किया। अब सीमा और उसके परिवार ने यीशु में अपने विश्वास की यात्रा शुरू कर दी है।

प्रार्थना: मेघवाल समुदाय के लोगों का विश्वास मसीह में दृढ़ बना रहे। मसीही धर्म के कार्यों में बाधा डालने की योजना बनाने वाली समिति के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें प्रभु के प्रेम का अनुभव प्राप्त हो। प्रार्थना कर कि दुर्घटना के कारण सिर में रक्त का थक्का जमने से पीड़ित सोनू सिंह को शीघ्र चंगाई मिले। बृजमोहन को शराब की लत से छुटकारा मिले। राय सिक्ख समुदाय के किशन सिंह को एक मसीही जीवन साथी मिले। शांति की लालसा रखने वाले नीमचंद को मसीह यीशु में शांति प्राप्त हो। खैरथल जिले में, जहाँ तीन तालुकों में कोई भी विश्वासी नहीं है प्रार्थना करें कि वहाँ हमारी सेवा का विस्तार हो।

उदयपुर: आशीष कुमार एवं सविता देवी; बीजूलाल एवं स्टेफी

स्तुति: तीन नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। 15 लोग यीशु के पंथ में शामिल हुए। वसाला और लोदीमाद्री गाँवों में विश्वासियों के शिविर आयोजित किए गए और चार अन्य गाँवों में महिलाओं की सभाएँ आयोजित की गईं। रमीला, हकरी और शारदाको शैतानी प्रभावों से छुटकारा मिलीं। तारा और अरुणा को गुर्दे की पथरी से चंगाई मिलीं। लक्ष्मण और पिंजू के परिवार हाल ही में चर्च में शामिल हुए। परनी को एक बच्चे की आशीष मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि राजस्थान के भील समुदाय के विश्वासीगण अपने विश्वास में दृढ़ रहें। प्रार्थना करें कि बोरमाल और कालीवास गाँवों के उन विश्वासियों को जिन्हें सताया जा रहा है, अपनी विश्वास में दृढ़ और स्थिर रहें। एनीमिया और टीबी से पीड़ित सुशील गोधरा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। लीला, नीना और सोनिया, जिनका गर्भपात हुआ है प्रार्थना करें कि वे फिर से गर्भधारण कर सकें। सुंदर, भागू, जालम, शिवा, भीमराज और प्रेमचंद्र के उद्धार और कर्ज, शराब के बंधन और बुरी आदतों से मुक्ति के लिए प्रार्थना करें। फलसिया और गोगुंदा तालुकों में सुसमाचार के लिए द्वार खुले।

सितम्बर 8 सोमवार

दिल्ली

पटपड़गंजः जॉन डेविडसन एवं एस्तेर

स्तुतिः 3 नए लोग आराधना सेवा में शामिल हो रहे हैं। चंद्रावती और सावित्री के परिवार अपने रिश्तेदारों के विरोध के बावजूद अपने विश्वास में स्थिर हैं। सुधा की चमत्कारिक सुरक्षा के लिए, जो एक बड़ी दुर्घटना में मामूली चोटों के साथ बच गई। उन युवाओं और युवा वयस्कों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो प्रार्थना कक्ष समूहों में उत्सुकता से भाग लेते हैं और उत्साहपूर्वक प्रार्थना करते हैं।

प्रार्थनाः त्रिलोकपुरी चर्च की गली में बाधा उत्पन्न करने वाले युवाओं के मन फिराव और पश्चाताप और उद्धार के लिए प्रार्थना करें। जो लोग सार्वजनिक रूप से विश्वास का अंगीकार करने के लिए तैयार हैं, उन्हें बल मिले और उनके रिश्तेदारों का विरोध दूर हो। पुरुष विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे भी नियमित रूप से प्रार्थना सभाओं में भाग लें और आनंदपूर्वक आराधना करें। अनमोल, शालू और अरुण के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें दुष्टात्मा के बंधन से मुक्ति मिले। मनीष, जिसका भर्ती सशस्त्र बलों हुआ है उनके परिवार के सदस्यों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश

रानियाः

अनिल कुमार एवं कविता

स्तुतिः उन मिशनरियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने अपनी छुट्टियाँ पूरी करके सुरक्षित अपने मिशन क्षेत्रों में वापस लौट आए। उन लोगों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिन्होंने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। रात की पाली में काम करते समय एक दुर्घटना में अमित का हाथ कट गया था, उसने सच्चे मन से प्रार्थना की और सर्जरी से के द्वारा उनका हाथ पूरी रीति से ठीक हो गया।

प्रार्थनाः हमारे नए विश्वासी नरेंद्र, जो मुँह के कैंसर से पीड़ित हैं, को दिव्य उपचार मिले। मुक्ति के लिए संगीता और धया, जो दुष्टात्माओं से पीड़ित हैं और मानसिक अवसाद से ग्रस्त हैं, के लिए प्रार्थना। हमारी मिशनरी कविता, जो पेट और पसलियों में दर्द से पीड़ित है, को प्रभु से उपचार प्राप्त हो।

सितम्बर 9 मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती येसुरतिनम त्यागराजन
श्री अनिल कुमार बिसोई, श्री रूबेन टुडू
श्रीमती रानी सुकांतो सिंह
श्री जीवननंदन एम.
श्रीमती रांधे नयनाबेन देवजीभाई

भरथनाः
राजन एस. एवं जेबा मलर एस.

स्तुतिः बचपेड़ा गाँव के अमन को भूत–प्रेत के प्रभाव से मुक्ति मिली। मुरका गाँव के पीयूष को चेचक से चंगाई मिली। मंजू की रसोई में प्रेशर कुकर फटने पर परमेश्वर ने उसे सुरक्षा प्रदान की। बैसा प्रभु को धन्यवाद दें। मुर्चा चर्च में बाल विकास केन्द्र शुरू करने के लिए एक सकारात्मक माहौल बना तथा अपने बच्चों के उत्थान के लिए संबंधित ग्रामीणों के सक्रिय सहयोग के लिए परमेश्वर पिता को धन्यवाद दें।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि सँपेरा जनजाति के बच्चों के उत्थान के लिए बाल विकास केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयास फलदायी हों। हमारे स्थानीय प्रचारक श्याम सुंदर और मेघना चर्च के विरुद्ध लगाए गए मुकदमे का अनुकूल परिणाम मिलने के लिए प्रार्थना करें। सुमन, सविता, रूबी और कम्पुत के सुरक्षित प्रसव और प्रसव के लिए प्रार्थना करें। मनीषा, मधु, ममता और प्रियंका, जो प्रार्थना पूर्वक संतान प्राप्ति की कामना कर रही हैं, प्रभु उन्हें संतान की आशीष दे। प्रार्थना करें कि कामिनी, संध्या और कोलू को योग्य मसीही जीवनसाथी मिले। विरोध के कारण वर्तमान में बंद पड़ी मदोक चर्च सेवा शीघ्र ही पुनः आरंभ हो सके और विरोध करने वाले अपने किए के प्रति मन फिराएँ।

बिल्हौरः
लाल किशोर मुर्मू एवं मार्था सोरेन

स्तुतिः मिरगाव में नव–आरंभित आराधना सेवा में 20 लोग खुशी के साथ आराधना में भाग ले रहे हैं। चर्च एल्डर और विश्वासी बिल्हौर मिशन क्षेत्र में सुसमाचार प्रचार सेवा में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। प्रभु की पुनर्स्थापना शक्ति के लिए, जिसने शारीरिक रूप से कमजोर विश्वासियों को शक्ति प्रदान की।

प्रार्थनाः आराधना सेवा में शामिल हो रहे नए लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह यीशु में उद्धारकारी विश्वास को प्राप्त करें। मिरगाँव में नव–स्थापित आराधना समूह के निर्बाध विकास हेतु प्रार्थना करें। राजरानी और रमाकांत दंपत्ति पर प्रभु की कृपा हो, जो पिछले 20 वर्षों से संतान प्राप्ति के लिए उत्कृष्टता से प्रार्थना कर रहे हैं, ताकि उनकी प्रार्थना का उत्तर मिले और उनके विश्वास का सम्मान हो।

सितम्बर
10
उपवास प्रार्थना दिवस
बुधवार

जन्मदिन मुबारक
श्रीमती सपना ओम प्रकाश

गोंडा बाल छात्रावासः
ओम प्रकाश गुप्ता एवं तुम्पा

स्तुतिः नगमा की सुरक्षित प्रसव के लिए, जिसने एक बच्चे को जन्म दिया। विद्याराम की पत्नी अर्चना को प्रार्थना के द्वारा दुष्टात्माओं के बन्धन से छुटकारा मिली। हमारे चर्च के विश्वासी अपने गाँव में अपने रिश्तेदारों और पड़ोसियों को सुसमाचार सुनाने में सक्रिय रूप से मदद करते हैं और रुचि रखने वालों को चर्च की आराधना सेवाओं में लाते हैं। हमारे पूर्व छात्रों में से एक हमारे छात्रावास के एक बच्चे की सहायता कर रहा है।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि परमेश्वर आराधना सभाओं में आने वाले नट समुदाय के लोगों को मसीह यीशु में उद्धारकारी विश्वास की ओर प्रेरित करे। प्रार्थना करें कि गोंडा चर्च भूमि मामला, जो लखनऊ उच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है निर्णय हमारे पक्ष में हो। हमारे छात्रावास के बच्चों का शैक्षणिक विकास सुदृढ़ और नैतिक रूप से हो। हमारे बच्चों के परिवार के सदस्यों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। हमारे छात्रावास के एक बच्चे को प्रायोजित करने वाला लड़का प्रार्थना कर रहा है कि उसे मारुति कंपनी में नौकरी मिल जाए ताकि वह किसी और बच्चे की सहयाता कर सके। हमारे छात्रावास के बच्चों, मिशनरियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

झींझकः
पम्सोनचिन एवं लंचिंग

स्तुतिः एक नए गाँव के लोगों ने बिना किसी बाधा के सुसमाचार का प्रचार को सुना। मसीही धर्म के उत्पीड़न के बीच, एक दिवसीय सभाएँ, साधक सम्मेलन, आउटरीच और अनुवर्ती सेवकाई आयोजित की गईं। झींझक के भोलानगर चर्च में एक आत्मा विजेता शिविर और प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 6 लोगों ने मसीह यीशु में अपने विश्वास को स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हुए।

प्रार्थनाः भोलानगर चर्च के नवीनीकरण कार्य जैसे बाड़ा लगाने, रंगाई–पुताई आदि के पूरा होने और आवश्यक धनराशि जुटाने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि रूरा चर्च में जल्द ही बिजली कनेक्शन लगाया जा सके। प्रार्थना करें कि पंजीकरण के लिए गारंटर बनने के लिए कोई प्राचीन आगे आए। मिशनरियों, स्थानीय प्रचारकों और उन विश्वासियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जिन्हें प्रभु में दृढ़ रहने के लिए अक्सर विरोध का सामना करना पड़ता है। वे पवित्र आत्मा की अगुवाई और विवेक से कार्य करें क्योंकि वे समय–समय पर कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं।

सितम्बर

11

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती काशेली सेमा येक्टो चोफी
सुश्री मर्सी एम.एच. छुआज़ी

कानपुर क्षेत्रः
मोंगवाई फोम एवं निशा

स्तुतिः कुछ लोगों ने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया और सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार किया। कुछ नए गाँवों में भी सुसमाचार का प्रचार किया गया। हमारे मिशनरी समारेंद्र सिंह टूंडला मिशन क्षेत्र पहुँचे और उन्होंने अपना कार्य आरंभ कर कदया है। भाग्यनगर क्षेत्र के मुनुलाल, जो लकवाग्रस्त थे, प्रार्थनाओं के माध्यम से चंगाई मिली। रूथल गाँव के श्याम कुमार को दुष्टात्माओं के बंधन से छुटकारा मिली।

प्रार्थनाः हमारे प्रचारक धर्मवीर, विजय सिंह, सरवन सिंह और महावीर सिंह, के लिए प्रार्थना करें जो उत्पीड़न के कारण जेल में बंद हैं, उनकी रिहाई हा सके। बैसाली चर्च के लिए प्रार्थना करें क्योंकि पुलिस ने चर्च के अगुवों को चर्च खोलने और आराधना करने से मना किया है। प्रार्थना करें कि भोलानगर चर्च का जीर्णोद्धार सफलतापूर्वक पूरा हो। रमाकांत परिवार को 20 साल के वैवाहिक जीवन के बाद संतान की प्राप्ति हो। अलीगंज के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे उत्पीड़न के बीच अपने विश्वास में दृढ़ रहें।

सिकंदराः वसावा पचियाभाई एवं सविताबेन

स्तुतिः कुछ लोगों ने यीशु मसीह को ग्रहण किया और मण्डली में शामिल हो गए हैं। दो गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। हमारे विश्वासियों के आध्यात्मिक उत्थान के लिए दो स्थानों पर विश्वासियों का शिविर तीन महिला सभाएँ आयोजित की गई। परमेश्वर ने सारदा को दुर्घटना से बचाया और कुसुम को उसकी बीमारी से चंगाई दी। परमेश्वर ने इस क्षेत्र में अच्छी बारिश दी और विश्वासियों ने धान और अन्य फसलों के बीज भी बोए हैं। डेरापुर गाँव की रजनी को उस समय ईश्वरीय सुरक्षा मिली जब खेत में काम करते समय उसे एक साँप का सामना करना पड़ा।

प्रार्थनाः नीता, किशनलाल परिवार और रंजीत के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि सलेमपुर, खोजाफूल और गौरैयापुर गाँवों में सत्संग कार्यक्रम में उपस्थित हुए लोगों को प्रभु यीशु मसीह में उद्धारकारी विश्वास की ओर आगे बढ़ें। हमारे कुछ विश्वासियों के विरुद्ध पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों के लिए प्रार्थना करें कि सारे मामले परमेश्वर की दया से सुलझ जाए। विश्वासियों की आगामी के प्रशिक्षण, चर्च के प्राचीनों का प्रशिक्षण और युवा प्रशिक्षण के सुचारू संचालन के लिए प्रार्थना करें।

सितम्बर 12 शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मेबल क्रिस्टोफर
श्रीमती इरगर रेशमा मारुति

मध्यप्रदेश

भिंडः

जेबा कुमार एवं जयंती ग्रेस

स्तुतिः परमेश्वर ने रामवीर और कंवर परिवार को सड़क दुर्घटना में चमत्कारिक रूप बचाया। नए विश्वासियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पुर्वक संचालित किया गया। कलीसिया में नियमित रूप से आयोजित होने वाले बाईबल अध्ययन में कई लोग भाग लेते हैं। साधक शिविर और रात्रि सभाओं के सुचारू और नियमित संचालन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। रामवीर को प्रार्थना के फलस्वरूप पेट की बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि बाढ़ प्रभावित लोगों को सरकारी सहायता और योजनाओं तक निर्बाध पहुँच मिले। प्रार्थना करें कि सुरेशदीथरकापुरा गाँव में एक प्रार्थना समूह शीघ्र शुरू हो सके। सुमीर–रानी और एंड्रियास–रेणु के विवादग्रस्त परिवारों में ईश्वरीय शांति स्थापित हो। प्रभु लाहौर और पूप गाँवों में समर्पण के साथ सेवा करने वाले युवा मिशनरियों को आगे बढ़ाएँ। कमलेश के परिवार की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने पिता को खो दिया है।

खरगोनः

बिनीत प्रसाद एवं अमोजिता नायक

स्तुतिः घोर उत्पीड़न के बीच, 15 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। कई लोगों ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। विश्वासियों और कलीसिया के वरिष्ठों की सहायता से, कई गाँवों में अनुवर्ती कार्य किया जा रहा है। मोतीराम, जो पैरों में तीव्र सूजन और दर्द से पीड़ित था, उपवास और प्रार्थना के माध्यम से चंगाई पाया। नरसिंह भाई को गले के दर्द से और शारू को आँखों की बीमारी से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। शिलोदिया गाँव की निशा की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

प्रार्थनाः मनीष को पैर पर तेजाब गिरने के कारण हुए गंभीर चोट सं चंगाई मिले। हमारे विश्वासी युवाओं को मसीही जीवन साथी मिलने के लिए प्रार्थना करें। मंगली को स्तन ट्यूमर और हरिमनजी को सीने के दर्द से चंगाई मिले। नेहा को शैतानी बंधन से छुटकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें। पिस्की भाई के एक वर्षीय शिशु की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो बार–बार बेहोशी की समस्या से पीड़ित है।

सितम्बर 13 शनिवार

धूलकोट/नेपानगरः गोपीकृष्णन एम. एवं मेनागा

स्तुतिः 11 नए गाँवों में 390 लोगों ने सुसमाचार सुना। कुछ लोगों ने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। 4 गाँवों की 10 गलियों में भी सुसमाचार का प्रचार किया गया और घर–घर जाकर लोगों से मुलाकात की गई। जामटी गाँव में विरोध के कारण बंद हुई आराधना, परमेश्वर की महिमा के लिए पुनः शुरू कर दी गई है। जालंद्रा गाँव में हाल ही में शुरू हुई बाइबल अध्ययन संगति में विश्वासियों के साथ–साथ नए लोग भी नियमित रूप से आते हैं। नेपा नगर में 3 स्थानों पर वीबीएस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 4 गाँवों में प्रदर्शित जीज़स फिल्म को 98 लोगों ने देखा । बामलापट गाँव में सत्संग का आयोजन किया गया और 168 लोगों ने इसमें भाग लिया।

प्रार्थनाः चिरोंदैमल गाँव की प्रमिला और सेरबाड़ गाँव के दुत्ती और रायकू को दुष्टात्माओं के बन्धन से मुक्ति मिले। पैर में सूजन से पीड़ित काली की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो सो नहीं पाती है। पट्टालेधाना, बामलापट, गूनबेड़ा, बाज्याफाटा, जिरपंगिरिया और रोगदी के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार करें। चार गाँवों में होने वाले आगामी बाल शिविर के लिए प्रार्थना करें कि यह एक आशीर्वाद हो।

असम

गोहपुरः नाथन कुमार बेबरता एवं निरुपोमा

स्तुतिः परमेश्वर की सहायता से एक नए गाँव, मोठिया सोराइबारी में सुसमाचार का प्रचार किया गया। 45 युवाओं ने युवा सम्मेलन में भाग लिया और आशीषें प्राप्त कीं। परमेश्वर की कृपा से दो गाँवों में रात्रि सभाएँ और 9 स्थानों पर बच्चों के लिए बाइबल कक्षाएँ सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

प्रार्थनाः नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए किए गए प्रयासों को प्रभु का आशीष प्रदान करे। प्रार्थना करें कि कलीसिया के वरिष्ठों और स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं की सेवकाई में उत्साहपूर्वक भागीदारी हो। विश्वासियों के आध्यात्मिक विकास के लिए प्रार्थना करें। उन लोगों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने जम्मूगुड़ी गाँव में चर्च के निर्माण कार्य को रोकने और मौजूदा चर्च भवन को ध्वस्त करने की साजिश रची है ताकि वे पश्चाताप करें और प्रभु उनके कठोर हृदयों को स्पर्श करे।

सितम्बर 14 रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन डेविड एम.

बिहार

रानीगंज:

आनंदन एम. एवं निशा

स्तुति: परमेश्वर ने संभू रजक और सुप्रा के परिवार की प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और उन्हें एक कन्या और छोटी ऋषि के परिवार को एक पुत्र का आशीर्वाद दिया। बलुवा, सिम्मा, रायगा और सिकनी गाँवों में किए गए अनुवर्ती सेवा कार्यों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। रतिका को टॉइफाइड से चंगाई मिली।

प्रार्थना: रामविलास ऋषि की पुत्री अंशिका की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो पीलिया से पीड़ित है। कबाया गाँव में एक नई आराधना समूह की शुरुआत हो सके। पंजाब में काम के लिए प्रवास कर गए हमारे विश्वासियों की आध्यात्मिक और शारीरिक सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। मंदोश परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो नियमित रूप से हमारे चर्च की आराधना में भाग लेते हैं।

झारखण्ड

अमलागाछी:

गजेन सम्प्रामेरी एवं रोज़िला

स्तुति: सेवकाई में अच्छी प्रगति और खेती के लिए प्रचुर वर्षा के लिए प्रभु की स्तुति करें। लुखा मालतो की बेटी को एक जहरीले साँप के काटने के बाद 12 दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद चंगाई पाई। हमारे कलीसिया का प्रीन गैब्रियल मालतो के बेटे संजय मालतो को एक गंभीर बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थना: उन आध्यात्मिक गुरुओं के लिए प्रार्थना करें जो स्थानीय लोगों को नियंत्रित करते हैं और सेवकाई में बाधा डालते हैं। हमारे उन विश्वासियों के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें जो अस्वास्थ्यकर जीवन स्थितियों के कारण अक्सर मलेरिया, पीलिया, टॉइफाइड और टीबी जैसे बीमारियों से पीड़ित रहते हैं। चांगडांगा गाँव के लिए प्रार्थना करें जो मुख्य सड़क से सुरक्षित संपर्क से वंचित है क्योंकि रास्ता एक नदी से दो भागों में बँटा हुआ है और उस पर कोई पुल नहीं है, जिससे लोगों को नदी पार करने में कठिनाई होती है। अपने विवाहित जीवन के 12 वर्षों से निःसंतान सामुएल की पत्नी के सुरखित प्रसव के लिए प्रार्थना करें जो लंबे इंतजार के बाद गर्भधारण की है। धारणी कलीसिया के विश्वासियों के बीच एकता के लिए और नोडी चर्च के एल्डर के निधन के बाद कलीसिया का नेतृत्व करने के लिए एक प्राचीन कमलने के लिए प्रार्थना करें।

सितम्बर 15 सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री वसावा भांनसिंह मौल्या
श्री पॉल दयासिंह ए.वाई.
श्रीमती सवित्री कुमारी, श्रीमती एमिमल तिलक
सुश्री सलोमी मालता

गंगुपाड़ा मिरक्ल गर्ल्स हॉस्टलः

एवलिन पाकिया एवं एस्तेर सावित्री

स्तुतिः बच्चों के लिए नवनिर्मित छात्रावास परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया। परमेश्वर ने बरसात के मौसम में बच्चों और कर्मचारियों को मलेरिया, टॉइफाइड और हैजा के प्रकोप सं बचाए रखा। छठवीं से दसवीं कक्षा के बच्चों ने उनके लिए आयोजित आध्यात्मिक एकांतवास में सक्रिय रूप से भाग लिया और आशीषित हुए।

प्रार्थनाः अनीता की माँ, ललिता के पिता और मनीला के चाचा, जो एक दुर्घटना में घायल हो गए थे और उनके हाथ–पैर टूट गए थे, प्रार्थना करें उन्हें शीघ्र चंगाई मिले। इस बाल गृह में पढ़ने वाले 350 बच्चों की देखभाल और संचालन के लिए पर्याप्त कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु प्रार्थना करें। कई बच्चों के माता–पिता अलग रहते हैं और बच्चे इस कारण संघर्ष करते हैं। बबीता, मार्सेला और सरिता के माता–पिता के पुनर्मिलन के लिए प्रार्थना करें। चांदनी के पिता को मानसिक अवसाद से मुक्ति मिले। गणित, अंग्रेजी और विज्ञान में पढ़ाई में कठिनाई का सामना कर रहे उन कमजोर छात्रों के लिए प्रार्थना करें कि वे ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त करें और उन्हें बेहतर बनने के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित हों।

पश्चिम बंगाल

इटाहारः

अस्ताबन आदित्य एवं मानिनी बेबरता

स्तुतिः बिरकाई, मंगदा और कडुवा गाँवों के 7 लोगों ने यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया। प्रभु ने अभिजीत मार्डी के परिवार को एक बच्चे का आशीर्वाद दिया है। प्रभु ने हमारे स्थानीय प्रचारक बेंजामिन हेम्ब्रोम के पिता का अंतिम संस्कार सुचारू रूप से संपन्न कराया। बिश्वजीत मुर्मू और राजन मुर्मू ने अपना सेवकाई प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। मेघा सोरेन, निमाई मार्डी और जोवन्ना हेम्ब्रोम को प्रार्थनाओं के द्वारा अपनी बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास और गवाही में दृढ़ रहें। केना बेसरा, जलपे सोरेन, जोबा मुर्मू, मेनाशी सोरेन, पायोल मार्डी और कोजोली सोरेन के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार करें। कबीराज मुर्मू को क्षय रोग से चंगाई मिले। लुकी बेसरा और सोनोदी किस्कू के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। कंजू मुर्मू को श्वास संबंधी समस्याओं और मत्ती हांसदा को त्वचा संक्रमण से स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें।

सितम्बर 16 मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती हेना कुमारी गनसेल्विस

जंबानी: एफ्रैम माली एवं प्रोसोन्सिता माली

स्तुति: कुछ नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। केतकोंडा नायक समुदाय के लोग सुसमाचार सुनने में रुचि दिखा रहे हैं। सालुवाड़ी गाँव के लोग उत्सुकता से सुसमाचार सुन रहे हैं। परमेश्वर ने हमारे मिशनरियों को इस बरसात के मौसम में हर प्रकार के अप्रिय घटनाओं से सुरक्षिता रखा।

प्रार्थना: सबोर और नायक समुदाय के लोगों में आध्यात्मिक पुनरुत्थान के लिए प्रार्थना करें। लक्ष्मीकांत महतो, हेरोन हेम्ब्रोम, जगन हंसदा, विश्वनाथ सोरेन, सुबोल हंसदा और सुक्की हंसदा के परिवार के लोग यीशु के प्रेम को जानें। जन्म से अंधे विलिमा सिंहा को प्रभु के चमत्कारी स्पर्श से दृष्टि प्राप्त हो। थुलिबथ और कनिमेली में आराधना समूहों की स्थापना के लिए किए गए प्रयासों को प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त हो।

मालदा: उदीप्ता कुमार बाग एवं सुर्याकांति

स्तुति: उन्होंने निरोर सावरिया को जटाकुंडी गाँव में एक किराने की दुकान खोलने में सक्षम बनाया, जो इस बात का प्रमाण है कि ईश्वर अपने बच्चों को कैसे आशीर्वाद देते हैं। जॉन पहाड़िया, जो एक तरफ से लकवाग्रस्त था, चमत्कारिक रूप से चंगा हो गया है और अब आराधना सभा में उपस्थित होने लगा है। परमेश्वर की कृपा से क्षेत्र में अच्छी हुई है। हमारे सभी मिशनरियों, प्रचारकों और स्थानीय विश्वासियों की सुरक्षा और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

प्रार्थना: बिजली सावरिया और बसंती हंसदा के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने परमेश्वर की इच्छा को जानने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है ताकि वे परमेश्वर की सेवा कर सकें। शबिती पहाड़िया को मूत्र संक्रमण से चंगाई मिले। प्रभु से प्रार्थना करें कि वे सीतलपुर के विश्वासियों की मानसून के मौसम में रक्षा करें क्योंकि उनके घर अचानक बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं।

असंभव को संभव करने वाला परमेश्वर

मध्य प्रदेश के खरसोग मिशन क्षेत्र के भाटिया गाँव का एक विवाहित दंपत्ति, रमेश और यशोदा, एक संतान की चाहत रखते थे, परन्तु 12 वर्षों तक निःसंतानता का दर्द झेलते रहे। कई डॉक्टरों से परामर्श लेने के बावजूद, उनकी गर्भधारण की आशा अधूरी रही। इस दौरान, उन्होंने यीशु के बारे में सुना और उन पर भरोसा किया। मसीह में विश्वास करने के उनके निर्णय पर रिश्तेदारों और गाँववालों ने उनका उपहास किया और उन्हें डाँटा। फिर भी, दंपत्ति ने हिम्मत नहीं हारी; वे दृढ़ विश्वास के साथ प्रार्थना करते रहे। अपने नियत समय पर, परमेश्वर ने एक चमत्कार किया। जिस प्रकार उन्होंने राहेल को याद किया, उसी प्रकार उन्होंने यशोदा को भी याद किया और उन्हें गर्भधारण का वरदान दिया। आज, उनका जीवन एक जीवंत साक्ष्य है कि हमारा परमेश्वर असंभव को भी संभव कर सकता है। हल्लिलूय्याह!

सितम्बर 17
उपवास प्रार्थना दिवस
बुधवार

पाकुआहाट:
रामकृष्ण अग्गीबाड़ा एवं अंजलि देवी

स्तुति: आउटरीच मंत्रालय से 18 गाँवों में सुसमाचार बाँटा गया और बहुत से लोगों ने सुना। मिथुन मुर्मू परिवार, यीशु मसीह में अपने विश्वास के कारण अपने गाँव से बहिष्कृत होने के बावजूद, अपने विश्वास में दृढ़ बना हुआ है और अन्य विश्वासियों के लिए एक जीविक गवाह है। चिता सोरेन और मेनोका मुर्मू को परमेश्वर ने साँप के काटने से बचाया। सबोनी चर्च के एक प्राचीन की बेटी अनामिका को बैंक में प्रवेश करते समय दूसरी मंजिल से गिर रही एक ईंट से परमेश्वर ने बचाया। संजीत हसदा नामक एक विश्वासी, बुरी संगति के कारण नशे का आदी हो गया था; जैसे–जैसे प्रार्थना समूह उसके लिए प्रार्थना करता रहा, प्रभु ने उसे इस आदत को छोड़ने में मदद की।

प्रार्थना: निर्मल मार्डी, जो अपने प्रवास स्थल पर लापता हैं, प्रार्थना करें कि वह सुरक्षित घर लौटने पाए। चर्च के प्राचीनों के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें और अपनी कलीसियाओं का निष्ठापूर्वक नेतृत्व कर सकें। मोंगल हसदा, उनिमा, बुद्राल किस्कू, शिप्ला मुर्मू, मुंशी टुडू, लिते मुर्मू, अनिल मार्डी और सुंदर मुर्मू के परिवारों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। सुमित्रा बेसरा, जिन्होंने प्रवासी कार्य के दौरान अपने पति को खो दिया था, अपने पति का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए व्यग्रता से प्रयास कर रही हैं ताकि वे अपने हक का लाभ प्राप्त कर सकें।

बालुरघाट:
किंग्सली लिविंगस्टन एवं डेल्फिन पी.

स्तुति: कई लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। 12 गाँवों में आउटरीच सेवकाई के माध्यम से कई लोगों ने सुसमाचार सुना। मंगलपुर गाँव के हमारे प्रचारक के पुत्र मिलिता सोरेन को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। पॉस हसदा को माथे के ट्यूमर से चंगाई मिली।

प्रार्थना: राजेश मार्डी, रॉबिन मुर्मू, दिलीप सोरेन, भुजू हसदा और तुइला टुडू के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह यीशु में उद्धारकारी विश्वास की ओर बढ़ें। बेलैन गाँव के हमारे विश्वासी बबलू हसदा को गुर्दे की पथरी और उनके भय से मुक्ति मिले और हमारे प्राचीन की पत्नी कमला टुडू, जो तंत्रिका संबंधी बीमारी के कारण बिस्तर पर हैं, चंगाई मिले। दुरुलडांगा, राधानगर, परानपुर, तारापदा और धदलपदा गाँवों में सुसमाचार के प्रचार हेतु जन–जागरण हेतु प्रार्थना करें। हमारे नए बुजुर्ग विश्वासी स्वपन किस्कू, जो सांसारिक सुखों के आदी हैं, परामर्श के माध्यम से ज्ञान प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर की महिमा के लिए हमारे मिशन क्षेत्र का विस्तार हो।

सितम्बर 18 गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन स्टीफन वाई.

समसीः

दीपरत्ना एवं मिथिलेश

स्तुतिः आउटरीच सेवकाई के माध्यम से कई लोगों ने सुसमाचार सुना और उनमें से चार ने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया और अपने विश्वास की घोषणा की। पानपारा गाँव की मंजू मरांडी, जो गंभीर बीमारियों से पीड़ित थीं, प्रभु ने उनकी प्रार्थना सुनी और उन्हें चमत्कारिक रूप से चंगा किया। बुरुल गाँव के दीपक टुडू, जो पागलपन से पीड़ित था, प्रार्थना के फलस्वरूप छुटकारा मिला। जयराज को जादू–टोने से मुक्ति मिली। 10 गाँवों में फिल्म संवोई और रात्रि सभाओं के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार किया गया।

प्रार्थनाः विश्वासी छनु मुर्मू, मरजू मरांडी, दीपक टुडू, नायका मुर्मू और श्याम मिसर के लिए प्रार्थना करें कि वे निडर होकर अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए आगे आएँ। प्रार्थना करें कि तेलालिया और बुरुल गाँवों में एक आराधना केंद्र स्थापित किया जाए। इस क्षेत्र के अन्य मसीही पादरी एकजुटता से कार्य करें और बिना किसी विधर्म के सुसमाचार का प्रचार करें। समसी मिशन क्षेत्र के जमरा, सिरी स्टोला, दिलारपुर, कुशाहा, काली गंज और सिकरगंज गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुले और अधिक से अधिक आत्माओं को जीता जा सके।

छत्तीसगढ़

पालीः

डिटुंगबोऊ एवं मलंगमेई सनालुंग

स्तुतिः भारी बारिश के बावजूद मिशनरियों को सभी सेवकाई कार्यक्रमों को पूरा करने में परमेश्वर ने सहायता और सुरक्षा प्रदान की। कंचनपुर गाँव में आयोजित आत्मा विजेता प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वासियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक महान आशीर्वाद था। बेलिस्याबाई को एक जहरीले साँप ने काट लिया था, परन्तु वह चमत्कारिक रूप से बच गई। तीन नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। तकतोईया गाँव में पूरी रात की प्रार्थना की गई। गुर्दे संबंधी समस्याओं के कारण सूजे हुए पैर से नेत्रम के स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की गई।

प्रार्थनाः मानसिंग यादव और उनका परिवार सुसमाचार सुनने और ईसा मसीह में अपनी विश्वास रखने के लिए उत्सुक हैं; उनका पूरा परिवार प्रभु को स्वीकार करे। समारू को मानसिक रोग से चंगाई मिले। कटेलिपेड़ा गाँव के लोग सुसमाचार के लिए अपने हृदय खोलें। प्रार्थना करें कि मानिकपुर, पोड़ी, सौरा, कोंचरा, जरगा, सुखेना, मतपुर और दुकुपथरा गाँवों में सुसमाचार पहुँचाया जा सके। घोरामोर गाँव में आराधना, जो कुछ समूहों के विरोध के कारण बंद कर दी गई थी, फिर से शुरू होने पाए।

सितम्बर 19 शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ग्लोरी रॉबर्ट विलियम
श्री प्रत्यूष नायक

सीतापुरः

मुथुकुमार एवं नेत्रावती

स्तुतिः 4 गाँवों में आउटरीच सेवकाई का आयोजन किया गया और 160 लोगों ने सुसमाचार सुना। आत्महत्या के विचारों से ग्रस्त अंजलि को प्रभु में शक्ति मिली। प्रभु द्वारा प्रदान की गई प्रचुर वर्षा के लिए धन्यवाद जो इस क्षेत्र में खेती के लिए अत्यंत सहायक है। प्रभु ने हमारे स्थानीय प्रचारकों की सहायता की ताकि उनकी पत्नियाँ उनके सेवकाई में उनके साथ हों। 8 परिवार जो हाल ही में बारबाहला में आराधना सेवा में शामिल हुए हैं। सीतापुर के मैदान में पाए गए कोरवा लोगों के समूह को भी उनके राज्य के विस्तार में शामिल किया जाए।

प्रार्थनाः प्रभु अंजलि और बासमती को गर्भधारण करने में सहायता करें, जो अब तक अपने गर्भ में ट्यूमर के कारण निःसंतान हैं। प्रार्थना करें कि युवा नपना प्रभु की खोज करे और अपने माता–पिता की आज्ञा माने। खेती–बाड़ी में लगे विश्वासियों को भी कलीसिया में प्रभु की आराधना को समान महत्व देने की प्रेरणा दें। रेणु, जो अपने माता–पिता को छोड़कर मुंबई में काम करने गया था, वापस आकर अपनी पढ़ाई जारी रखे। प्रभु जंगली हाथियों द्वारा उत्पन्न विनाश और खतरे से लोगों और हमारे विश्वासियों की रक्षा करें।

उड़िसा

रिमुलीः

अरविंद कुमार एवं हेलेन मरियम

स्तुतिः अपने मार्ग में हाथियों के झुंड का सामना करने के बावजूद, प्रभु ने हमारे मिशनरियों कोयोजना सभा के बाद सुरक्षित घर पहुँचने में सहायता की। पिछले महीने भारी बारिश के बावजूद, प्रभु ने हमारे मिशनरियों को किसी भी अप्रिय घटना से बचाया। प्रार्थनाओं के माध्यम से, प्रभु ने सबिता मुंडा को टीबी से चंगाई दी और उन्हें अपना काम करने के लिए सशक्त बनाया।

प्रार्थनाः गर्भाशय में पानी जमा होने से पीड़ित सुबित्रा के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें। निम्न रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित माकी मुंडा की के लिए प्रार्थना करें। हमारी विश्वासी गंगा मुंडा के परिवार की सांत्वना के लिए जिनका देहांत हो गया। जनमसिंह मुंडा को सोरायसिस से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि परेश्वर हमारे विश्वासियों के खेतों में अच्छी फसल दे और जंगली हाथियों सुरक्षित रखे।

सितम्बर 20 शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जोहान मालतो

अंगुलः

शंकर पी. एवं जेलिन टी.

स्तुतिः मोहनबोसी गाँव में विश्वासियों का सम्मेलन और स्थानीय प्रचारकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कनशियामीन और पचनसयन की पुत्री सुक्रमणी को दुष्टात्मा के बंधन से मुक्ति मिली। जयदामोदपुर चर्च को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया। बोलांडा चर्च के तीन परिवारों ने स्वयं को सेवकाई के लिए समर्पित किया है।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि हो समुदाय से बाल विवाह और शराब की लत का उन्मूलन हो। मोहनबोशी और प्रमाणी गाँवों में शीघ्र ही चर्चों का निर्माण शुरू हो, और धलसोर और पल्लहारा गाँवों में सुसमाचार के लिए द्वार खुले। विश्वासियों के बच्चों को अच्छी शिक्षा का अवसर मिले और उनका पालन–पोषण इस प्रकार हो कि वे चर्च के भविष्य के स्तंभ बन सकें।

टेलकोईः

सुकिनलाल एवं जेया रानी

स्तुतिः 4 नए परिवार चर्च में शामिल हुए हैं। सुक्करा सत्तार को दुष्टात्मा के कब्जे से मुक्ति मिली। प्रभु ने विश्वासियों के खेतों में अच्छी बुवाई के लिए पर्याप्त वर्षा प्रदान की है। परमेश्वर की कृपा से मोमलाबोशी और पंगेरसुनी गाँवों में चर्च निर्माण कार्य निर्बाध रूप से चल रहा है। प्रभु ने हमारे मिशनरियों, विश्वासियों और स्थानीय स्वयंसेवकों को ग्रीष्मकाल में कठोर गर्मी से बचाया।

प्रार्थनाः आगामी विश्वासियों के सम्मेलन और सार्वजनिक विश्वास की स्वीकारोक्ति समारोह के बिना किसी बाधा के संपन्न होने के लिए प्रार्थना करें। मेको मुंडा को सीने के दर्द से, सुक्कुला मुंडा को मानसिक अवसाद से और कनया मुंडा, जाम्बी मुंडा को उनकी बीमारियों से चंगाई मिले।

मनिका मुंडा और गणेश मुंडा को गुर्दे की बीमारी से मुक्ति मिले। जो लोग सुसमाचार का विरोध करते हैं, उन पर यीशु का प्रेम छा जाए। प्रभु हो और जुआंग समुदाय के लोगों में आध्यात्मिक जागृति लाए।

सितम्बर 21 रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री प्रशांत कुमार के.
श्री एबेनेज़र सामुएल

जशीपुरः

प्रत्यूष नायक एवं मैरिताई लियोना

स्तुतिः कई लोगों ने मसीह में नया जीवन अपनाया है और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए हैं। सरिमासिंह, जो गुर्दे की खराबी से पीड़ित था, प्रार्थनाओं के फलस्वरूप चंगाई पाया। सरिमासिंह को दुष्टात्माओं के कब्जे से मिली। कई महीनों से पैरों में सूजन से पीड़ित होने के कारण चलने में असमर्थ मणि आगाबाई ने यीशु मसीह पर विश्वास किया और प्रार्थना की, उसके विश्वास के फलस्वरूप परमेश्वर ने उसे चमत्कारिक रूप से चंगाई दी।

प्रार्थनाः पिछले एक साल से अपने पैर में सूजन और ट्यूमर से जूझ रहे मुनि मुंडा के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करें। जाम्बी थिरिया, मिंजसरी घागराई, साहेब हेम्ब्रोम और बेलामती हेम्ब्रोम की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। जशीपुर बाल भवन के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले। हमारे स्वयंसेवी कार्यकर्ता शद्रक बिंगुवा को तंत्रिका विकार से छुटकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें। सेवकाई में आने वाले विरोध और बाधाओं पर विजय पाने के लिए प्रार्थना करें।

ढेंकनालः

अशोक नायक एवं सुरभि बीरो

स्तुतिः जोगन बिरूवा, मणि बिरूवा, प्रीति बिरूवा, रिंगी साम्बिया और लीलिमुनि साम्बिया को दुष्टात्मा के बंधन से मुक्ति मिली। जब विश्वासियों ने मिथुन प्रधान के लिए प्रार्थना की, जो रात में एक विषैले साँप के काटने के कारण क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती थे, तब प्रभु ने उनकी प्रार्थना सुनी और तीन दिनों के उपचार के बाद, वह ठीक हो गया और ईश्वर की स्तुति करते हुए घर लौटा। वालमुनि और राजेश के परिवारों सम्पूर्ण ह्रदय से प्रभु में विश्वास करते हैं।

प्रार्थनाः उन आठ गाँवों में जहाँ सुसमाचार के बीज बोए गए हैं वहाँ आत्माओं की अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करें। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों के समूह में शामिल हो गए हैं, ताकि वे विश्वास और आध्यात्मिक परिपक्वता में बढ़ें। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार में उत्सुकता दिखाते हैं, ताकि उन्हें मसीह यीशु में उद्धारकारी विश्वास की ओर ले जाया जा सके। हमारे विश्वासियों और मिशनरियों की उन लोगों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जो हमारी सेवकाई का विरोध करते हैं और मसीही धर्म का पालन करने वालों को सताते हैं।

सितम्बर 22 सोमवार

जन्मदिन मुबारक

सुश्री सांगंगई ह्वुंगी

रायरंगपुरः कुना चंद्रा पाईक एवं क्रुतांजलि

स्तुतिः कई लोग विश्वासियों के समूह में शामिल हुए। जोंगा पचेहारी और कपूरा नायक को दुष्टात्मा के बंधन से मुक्ति मिली। पूर्वी सिंहभूम जिले में एक मिशनरी क्षेत्र स्थापित करने के लिए सर्वेक्षण किया गया है। सुरनायक को एक विषैले सर्प के काटने से चमत्कारिक सुरक्षा मिली। सामू नायक परिवार ने गणेश तिहारी गाँव में एक चर्च निर्माण के लिए अपनी जमीन दान की है।

प्रार्थनाः उड़ीसा राज्य में बढ़ते उत्पीड़न से हमारे मिशनरियों, स्थानीय प्रचारकों और विश्वासियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। अमीरेंदिरा और भगतसिंह को लकवा से, पथांग सारदा, नंदिया नायक और नागी हेम्ब्रोम के गुर्दे की बीमारी से, लक्ष्मी नायक को कुष्ठ रोग से, सुदाम टुडू और जादू मांझी को पैर के फ्रैक्चर से, और पुलो हेम्ब्रोम को मानसिक बीमारी से तथा संगारी पचारी को शैतानी बंधन से मुक्ति मिले। प्रभु मल्हो सोरेन, सगुनथला अंगारिया, सीता टुडू, पुलसंथा नायक और सुसान सारदा को संतान का आशीर्वाद दें। प्रभु विश्वासियों द्वारा 3 स्थानों पर चर्चों के निर्माण और 5 स्थानों पर नए आराधना समूहों की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि खोजने के प्रयासों को आशीर्वाद दें।

झींकपानीः अब्राहम एस. एवं एलिस शीबा एस.

स्तुतिः पुकरीबी चर्च के हमारे कलीसिया का प्राचीन सिपिरुवी, जो बिजली गिरने से घायल हो गया था पूर्ण पूर्ण चंगाई मिली। थंड्रे पांडिया को प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने और उन्हें स्वीकार करने के बाद प्रभु की असीम कृपा प्राप्त हुई है। परमेश्वर की कृपा से दो स्थानों पर आत्मा विजेता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। बबलू जोंगा को विभिन्न बीमारियों से मुक्ति मिली है। अब उनके पूरे परिवार ने यीशु मसीह में अपने विश्वास को स्वीकार किया है।

प्रार्थनाः दुईबासा चर्च के विरोध के कारण घबराए हुए विश्वासियों पर प्रभु में सुरक्षा और साहस मिले। संजय बांद्रा के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो हमारे विश्वासियों को भ्रमित कर रहे हैं। इचाकुटी गाँव में एक प्रार्थना समूह की स्थापना हो। प्रभु अपने राज्य के विस्तार के लिए कई स्वैच्छिक और स्थानीय प्रचारकों को तैयार करे। एक वर्षीय शिशु शिवमुंडा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो अपनी गर्दन नहीं घुमा सकता। हमारे मिशनरी की पत्नी एलिस की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। कंधे के विस्थापन से पीड़ित हमारे मिशनरी को परमेश्वर की दया से चंगाई मिले।

सितम्बर 23 मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री दानियल विजयराज
श्रीमती लुरधू मैरी गिरी बाबू
श्रीमती जस्मीन कविता डेनसिंह

गुजरात

मोटापोंडा:

मार्कस मालतो एवं सारा मालतो

स्तुतिः जब हमारी विश्वासी मंगूबेन के अंतिम संस्कार के दौरान विरोध हुआ, तो पुलिस ने हस्तक्षेप किया और बिना किसी खतरे के अंतिम संस्कार और दफन को पूरा करने के लिए सुरक्षा प्रदान की। हमारे विश्वासियों के खेतों में बीजों की बुआई अच्छी तरह से की गई। कलीसिया में आने वाले दिनेश और जयवंती के परिवारों में ईश्वरीय शांति मिली। संगीता बेन, जो कई वर्षों से सरकारी नौकरी के लिए प्रार्थना कर रही थीं, परमेश्वर ने उनकी प्रार्थनाएँ सुन ली और उसे एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका के रूप में नियुक्ति मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि निर्मला को मानसिक रोग से चंगाई मिले। परमेश्वर हमारे विश्वासियों को प्रचलित मौसमी बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करे। मनीषा बेन और उनके परिवार को ईश्वरीय सांत्वना प्राप्त हो जिसके पति का देहांत हो गया। हमारे नए उपासक दिनेश को उनके आंतरिक कान में लगातार सुनाई देने वाली ध्वनि से मुक्ति मिले।

अहवा / पीपलवाड़ाः

विग्नेश्वरन एवं एंजेल एम.

स्तुतिः कुलदेवताओं के उपासक नादकचंद गाँव का वितल भाई ने हमें अपने घर में अपने शिशु के पालना समारोह में प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित किया। अनुवर्ती सेवा के माध्यम से कई लोगों ने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। परमेश्वर ने साहित, जोन्स और गंग्याम को दुर्घटना में चमत्कारिक सुरक्षा प्रदान की। लहंदबास गाँव की उर्मिला बेन और वरसुनिया गाँव के ईश्वरनाथ को साँप के काटने से दिव्य चंगाई प्राप्त हुई। अनेक लोगों तक सुसमाचार पहुँचाया गया।

प्रार्थनाः दोनों पैरों की नसों में चोट के कारण चलने में असमर्थ भरकंटिया गाँव का अशोक विश्वासी बना परन्तु उनकी पत्नी ने उनके विश्वास के कारण उन्हें छोड़ दिया। प्रार्थना करें कि प्रभु अशोक को चंगाई दे और उनकी पत्नी का हृदय परिवर्तन हो। पांडरपाड़ा गाँव की सीतल बेन की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि गुर्दिया गाँव के रमेश के परिवार में चल रहे भूमि विवाद का समाधान हो। आहवा क्षेत्र में बांझपन की समस्या से जूझ रहे कई परिवारों और महिलाओं को प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त हो।

सितम्बर 24
उपवास प्रार्थना दिवस
बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती निर्मला मित्रन
श्रीमती शांति लाल कृष्ण कुमार

कीलीपानी / धरमपुर / खेरगम बाल छात्रावासः

कुमारन जी एवं जेलिन जेया

स्तुतिः आनंद, महादु और चंद्रा के परिवारों के लिए जो गुंडिया और सदानारा चर्च के नए सदस्य बने हैं। मादुरी चर्च के उन विश्वासियों के लिए जो 30 वर्षों के प्रयास के बाद कब्रिस्तान की जमीन हासिल कर पाए। गुंडिया और पांडवकाडक क्षेत्रों में नींव स्तर तक नए चर्चों के निर्माण हो चुका है। रंजीत को कई वर्षों की पैरों और सिर दर्द से पूरी तरह से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः गुंडिया चर्च के विश्वासी जगदीश और रुपाली, जो चार वर्षों से गर्भधारण करने में असमर्थ हैं, प्रार्थना करें कि उन्हें प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त हो। पिछले एक महीने से चलने में असमर्थ हमारे नए विश्वासी विकिन को चंगाई मिले। उर्मिला बेन के पति रविदास के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो किसी अन्य महिला के साथ व्यभिचारी संबंध रखते हैं। अज्ञात बीमारी से पीड़ित माधुरी चर्च की अनु बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। शराब की लत और पतन की समस्या से जूझ रहे विश्वासी भरत के पश्चाताप और चंगाई के लिए प्रार्थना करें। रक्त के निम्न स्तर से पीड़ित असमाथी बेन के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

झालोदः

कुमार पॉल एवं अमुधा एम.

स्तुतिः दो नए गाँवों में सुसमाचार सुनाश गया और कई लोगों ने सुसमाचार सुना है और बहुत से लोगों ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। काकरिया गाँव के कलसिंह को 46 दिन जेल में बिताने के बाद रिहाई मिली। डूंगरी गाँव की चंद्रिका बेन, को परमेश्वर ने जहरीले साँप के काटने से चंगाई दी। स्वीटी और स्नेहल को परमेश्वर कर दया से सरकारी नौकरी मिली। यीशु पर आधारित फिल्म तीन जगहों पर दिखाई गई और कई लोगों ने सुसमाचार देखा और सुना। प्रचुर वर्षा के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो विश्वासियों और सभी लोगों के लिए एक आशीर्वाद थी।

प्रार्थनाः बोरपानी गाँव के सरला–अरविंद दंपत्ति को संतान प्राप्ति का आशीर्वाद प्राप्त हो। गुंडी गाँव की आसा बेन और वनिता बेन को दुष्टात्माओं के कब्जे से मुक्ति मिले। मंगन्येर गाँव की सोनल बेन की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। जीभ के फोड़े से पीड़ित लक्ष्मी बेन और मंजुला बेन के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करें। अमल्या, पटवेल, फखलिया और भूतकेड़ा गाँवों के नए लोगों ने सुसमाचार को सहर्ष स्वीकार किया।

सितम्बर 25 गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री प्रभाकरन एन.

दादरा नगर हवेली

खानवेलः

अरुल असीर एवं सुगुना एल.

स्तुतिः गड़सिनसिला गाँव की सारिका बेन ने सुरक्षित प्रसव के द्वारा एक बच्ची को जन्म दिया। ट्रक दुर्घटना में घायल हुए परजाई गाँव के भरत परमेश्वर की कृपा से धीरे–धीरे ठीक हो रहे हैं। परजाई गाँव से 5 नए परिवार और किन्नोली गाँव से 4 नए परिवार चर्च में आ रहे हैं। हमारे अधिकांश विश्वासियों के बच्चों को अच्छे गुणवत्ता वाले डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिल गया है।

प्रार्थनाः वरसोना गाँव की 19 वर्षीय विशेष बच्ची अर्चना लापता है और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। प्रार्थना करें कि उसे बिना किसी नुकसान के वापस मिले। हमारे चर्च के प्राचीन प्रकाश की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिनके माँ की मृत्यु हो गई है। वरसोना गाँव के रमेश, जो मुँह के कैंसर से उबर रहे हैं और खाना नहीं खा पा रहे हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें। डॉक्टरों ने 5 वर्षीय प्रिंस को उसके सिर के ट्यूमर का ऑपरेशन कराने की सलाह दी है। प्रार्थना करें कि प्रभु उसके जीवन में चमत्कार करे। चार साल से अधिक समय से पेट दर्द से पीड़ित धबलोना गाँव का एक नया विश्वासी नीलेश की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

महाराष्ट्र

धड़गाँवः एबेनेज़र सामुएल एवं जोशना जेयरानी

स्तुतिः 4 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। नलवानी और वर्केदी गाँवों में विश्वासियों का शिविर आयोजित किया गया। 4 स्थानों पर महिलाओं का शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रभु ने नीमाबाई, गंगीबाई और युवराज की प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और उन्हें संतान प्राप्ति का आशीर्वाद प्रदान किया। केल्ले गाँव में एक नया आराधना समूह शुरू किया गया। कुवरकेत गाँव में विरोध के कारण बंद हुई आराधना सेवा पुनः शुरू कर दी गई है।

प्रार्थनाः मसीह में विश्वास कर रहे धीरिसमल, सेलपाड़ा, पनबारी और कटरा के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने रिश्तेदारों द्वारा डाली गई बाधाओं को पार करके नियमित रूप से आराधना में उपस्थित हों। वंदा के उद्धार के लिए प्रार्थना करें, जो दुष्टात्मा की निरंतर पीड़ा के कारण अपनी नर्सिंग की पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही है। सप्रिया गाँव की एकमात्र विश्वासी कुवंतीबाई, अपने रिश्तेदारों और गाँव के लोगों के उत्पीड़न पर विजय प्राप्त कर सके और अपने विश्वास में दृढ़ रहे। कुंडिया गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें जहाँ केवल एक ही विश्वासी है, ताकिउस गाँव के सभी लोगों पर सच्चे जीवित परमेश्वर का प्रकाश प्रकट हो। दुष्टात्मा के कारण निरंतर पीड़ाओं का सामना कर रही ललिता बाई के लिए प्रार्थना करें प्रभु उसे चमत्कारिक रूप से छुअकारा प्रदान करे जिनका शरीर बहुत कमजोर हो गया है। प्रार्थना करें कि वरमेश्वर मिशनरियों को स्थानीय भाषा मथवत भील सीखने में सहायता प्रदन कर और जो सेवकाई के लिए आशीष का कारण हो।

सितम्बर 26 शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रेबाकामा पॉल
श्री सिंहखोथांग जोऊ

तलसरीः

गेड्डम श्रीनिवास राव एवं राज्यलक्ष्मी

स्तुतिः 13 वर्षीय अभिषेक बर्ग नामक बालक, जो पेड़ से 20 फीट नीचे गिर गया और उसके बाएँ पैर में फ्रैक्चर हो गया था, ईश्वर ने उसे शल्य चिकित्सा द्वारा चंगाई प्रदान किया। शेनसारी कलीसिया में आयोजित बाल बाईबल अध्ययन में 22 बच्चों ने भाग लिया और आशीषित हुए। मोटकान क्षेत्र में आयोजित महिला सम्मेलन में 125 महिलाओं ने भाग लिया और आशीर्वाद प्राप्त किया। परमेश्वर की दया से वेलुकान, नक्सारी और कोस्पेट गाँवों में पहली बार सुसमाचार का प्रचार किया गया।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि परमेश्वर की महिमा के लिए क्षेत्रीय स्तर नियोजित आध्यात्मिक मेला बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। कुंडा दिलीप गोरकाना, सुकदु दिलीप, सुनीता हौदल और संजना जगदीश के निःसंतान परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर दे और संतान सुख प्रदान करे। भारत और दक्कना गाँवों में आउटरीच सेवकाई बिना किसी बाधा के संपन्न हो और परमेश्वर की कृपा से समय पर अनेक मण्डलियाँ एकत्रित हों।

तलोडा छात्रावासः

भानसिंह मौल्या एवं यमनबेन

स्तुतिः इस बाल भवन में 29 बच्चों का नया नामांकन हुआ है। प्रभु ने बुखार, उल्टी और अन्य बीमारियों से पीड़ित बच्चों को पूर्ण रूप से स्वस्थ किया है। बच्चे बाईबल अध्ययन समूहों और प्रार्थना कक्षों में उत्सुकता से भाग लेते हैं और हर रविवार को शास्त्रों को याद भी करते हैं। प्रभु ने बच्चों के लिए विशेष कक्षाएँ संचालित करने हेतु एक नए शिक्षक की नियुक्ति में हमारी सहायता की।

प्रार्थनाः हमारे बालभवन में रहने वाले बच्चे सकील के चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो गिरने के कारण उसके माथे पर चोट लगी थी, जिसके पूरी तरह ठीक होने के लिए टांके लगाने पड़े हैं। पढ़ाई में कमजोर परमेश्वर किरण, संजय, रोहित और पडल के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें सद्बुद्धि प्रदान करे। तलोदा बाल भवन के लिए एक समर्पित वार्डेन की नियुक्ति के लिए प्रार्थना करें। हमारे बच्चे, जिन्हें रोज स्कूल आना–जाना पड़ता है, परमेश्वर की कृपा से सुरक्षित रहें। सिकल सेल रोग से पीड़ित पडल, नानसिंह, अंकुश और सिद्धार्थ के शीघ्र स्वस्थ होने और प्रभावी उपचार के लिए प्रार्थना करें।

सितम्बर 27 शनिवार

जन्मदिन मुबारक

सुश्री कोलीन हिल्डा ग्रेस

पिम्पलनेर: बालाजी नेतालम एवं जगदीश्वरी एम.

स्तुति: 8 नए गाँवों के लोगों ने सुसमाचार का प्रचार सुना। 37 परिवारों ने प्राचीनों के परिवार की प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिए और प्रत्येक परिवार ने अपने–अपने चर्च में एक नया परिवार लाने की प्रतिज्ञा की। 48 विश्वासियों ने विजन कास्टिंग सभा में भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप 3 प्रार्थना समूह शुरू किए गए। कुछ लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। बच्चों के लिए आयोजित 15 कार्यक्रमों में 320 बच्चों ने भाग लिया। शेवाली गाँव की मारी बेन और उसके पूरे परिवार को दुष्टात्माओं के बंधन से मुक्ति मिली। 11 महीने के बच्चे वरुण को एक जानलेवा बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थना: 14 नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में दृढ़ रहें और अपने विश्वास में आगे बढ़ते जाएँ। जिन लोगों ने दो गाँवों में आयोजित सार्वजनिक स्वीकारोक्ति समारोहों में सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास को स्वीकार किया है, वे मसीह में दृढ़ रहें और प्रभु के गवाह बनें। ऐचला गाँव के सरपंच और बुजुर्ग, विश्वासियों को उनकी पूजा–अर्चना बंद करने के लिए लगातार परेशान कर रहे हैं। नए चर्च के निर्माण के लिए ग्राम सभा से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करें। कुछ विश्वासियों को गैर–मसीही धार्मिक गतिविधियों के लिए दान देने के लिए लगातार परेशान किया जाता है और दान न देने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी जाती है कृप्या इन सारी समस्याओं के लिए प्रार्थना करें। वान्या को कैंसर से, माया को लकवा से और पिंटू को लिवर की समस्या से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

खानदेश क्षेत्र: जुबराज बर्धन एवं शीबा जैस्मीन

स्तुति: क्षेत्रीय सम्मेलन में बहुत से लोग एकत्रित हुए; और लगभग 129 लोगों ने अपने पुराने पापपूर्ण जीवन का त्याग करके पवित्र जीवन जीने का निश्चय किया। सिवली गाँव के मारिपेनुक्का को, जो भूत–प्रेत के कारण जंजीरों में जकड़ा हुआ था, हमारे मिशनरियों द्वारा प्रार्थना करने परपरमेश्वर ने उसे छुटकारा प्रदान किया। रतनबारा गाँव के सुगुना पेनिन के पुत्र अनमोल की दृष्टि उत्कृष्ट प्रार्थनाओं के द्वारा वापस आ गई।

प्रार्थना: रामोजी, पाया और उवेश के लिए प्रार्थना करें जो हमारे विश्वासियों को यीशु के प्रेम से मिलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सेलबारा, पनबारी, कुत्रा, त्रिशमाल और उमड़ी के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने समुदाय के प्रति बिना किसी भय के प्रभु की आराधना कर सकें; और उन लोगों के लिए जिन्होंने अपनी गवाही के माध्यम से बहुतों को मसीह की ओर ले जाने का संकल्प लिया है ताकि वे विजयी हो सकें। कुदावथ गाँव के मंगाभाई के लिए प्रार्थना करें जिसने अपनी आँखों की रोशनी खो दी है, परन्तु अपनी आँखों की रोशनी वापस पाने के लिए नियमित रूप से सेवा में भाग लेता है।

सितम्बर 28 रविवार

कर्नाटक

मुंडारगी: सामुएल बेबरता

स्तुति: रेणुका ने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। आउटरीच सेवकाई के माध्यम से कई लागों ने सुसमाचार को सुना। परमेश्वर की दया से भावना और कल्पना का प्रसव सामान्य रूप से हुआ। पंचमा का घर का निर्माण कार्य पूरा हुआ। संतोष का अदालती मामला सफलतापूर्वक सुलझा लिया गया है और परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के कारण मुकद्दमा खत्म हो गया है। केलोर गाँव के हनुमंथप्पा को कैंसर होने का पता चला और डॉक्टर की रिपोर्ट के अनुसार उनकी बीमारी जानलेवा थी, इसलिए वे निराश थे; परन्तु सुसमाचार से उन्हें प्रोत्साहन मिला और वे प्रभु में शक्ति पाई।

प्रार्थना: शिरोल, बेलाटी, बागेवाड़ी, मेउंडी, गंगापुर, बर्दापुर, बानीकूपा और हैतापुर गाँवों के उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो आध्यात्मिक अंधकार में जी रहे हैं, ताकि वे जीवित प्रभु को जानें। केल्लोर गाँव के वाल्मीकि समुदाय ने सुसमाचार सुना और गाँव के नेताओं द्वारा मसीही धर्म का पालन न करने की धमकियों के बावजूद यीशु मसीह के शुभ समाचार के प्रति उत्तरदायी हैं। स्तन कैंसर से पीड़ित बसावाराज की माँ के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करें। पेट दर्द और मूत्र मार्ग में सूजन से पीड़ित संतोष को प्रभु से चंगाई प्राप्त हो।

शिरहट्टी: आशा प्राप्ता एवं दीना कुमारी

स्तुति: पाँच नए गाँवों में सुसमाचार किया गया और बहुतो ने सुसमाचार को सुना। सलमा ने चर्च में गवाही दी कि कैसे परमेश्वर ने उपवास और प्रार्थना के फलस्वरूप साँस लेने में तकलीफ से पीड़ित उसके बच्चे को ठीक किया, जबकि अस्पताल का ईलाज से उसको चंगाई नहीं मिल पा रहा था। मूत्रमार्ग के गंभीर संक्रमण और गर्भाशय की सूजन से पीड़ित शानू को प्रार्थना के माध्यम से चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली। हेमंत को सीने के दर्द से और विजय लक्ष्मी को मुँह के छालों से चंगाई प्राप्त हुआ। डेंगू से पीड़ित लेखप्पा की हालत गंभीर हो गई और परिवार के सदस्यों ने सारी उम्मीदें छोड़ दी थीं। परमेश्वर ने उसे प्रार्थना के फलस्वरूप तीन दिनों में चमत्कारिक रूप से चंगाई दिया। एक व्यक्ति ने यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। प्रवीण, एलम्मा, गिरजाम्मा, सौम्या और पूजा को विभिन्न बीमारियों से चंगाई दी।

प्रार्थना: बासावाराज को शराब की लत छुटकारा मिले। विवाहित जीवन के तीन वर्षों से निःसंतान विजय लक्ष्मी को संतान प्राप्ति का वरदान प्राप्त हो। लिंगराज की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो छह महीने से लगातार पेट दर्द और उल्टी से पीड़ित है। अपने पैरों में भयंकर दर्द से पीड़ित है सावित्री को परमेश्वर चंगाई दे। चंदाम्मा को आवास योजना के लिए सरकारी धन मिले। गठिया के दर्द से पीड़ित मिशनरी दीना की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारे चर्च के युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें उपयुक्त मसीही जीवनसाथी मिले। हमारी विश्वासी लिंगम्मा के सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिसने बीमारी के कारण अपने बच्चे को खो दिया है।

सितम्बर 29 सोमवार

जन्मदिन मुबारक

सुश्री सुशाजिता सेनापति

आंध्र प्रदेश

पालमनेरः पॉल कुप्पुस्वामी एवं शायला के.

स्तुतिः 28 लोगों ने चर्च के अगुवों के प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। कई लोगों ने अप्पिनपल्ली चर्च में आयोजित पारिवारिक सभा में भाग लिया। कई विश्वासी हर सुबह उत्साह के साथ ऑनलाइन प्रार्थना सत्र में शामिल होते हैं। प्रभु ने चार साल की दीया को मस्तिष्क के संक्रमण से चंगाई दी। प्रभु ने पवन नामक विश्वासी को अपनी आजीविका के लिए अपनी कार खरीदने में सक्षम बनाया।

प्रार्थनाः हाल ही में आयोजित चर्च एल्डर्स मीटिंग, युवा शिविर और आउटरीच मंत्रालय के लिए प्रार्थना करें कि वह परमेश्वर के राज्य के लिए फलदायी हों। कैंसर से पीड़ित रूथ नारायणम्मा और जेमा को चंगाई मिले। अपने विश्वास से विमुख हो चुके वेंकटरमण और प्रमिला के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की ओर लौटें। कंचना, श्रावणी, लता, सरस्वती और मालविका के लिए प्रार्थना करें कि वे सरकारी परीक्षाएँ देकर परमेश्वर की सहायता से नौकरी प्राप्त कर सकें। रमनबा के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने व्यवसाय में आर्थिक नुकसान का सामना किया है, ताकि वे फिर से उठ सकें। सुबैया और उनके परिवार के सदस्यों को उनके प्रियजन के निधन पर ईश्वरीय सांत्वना प्राप्त हो।

रोड्डमः देबदत्ता लीमा एवं सोनिया रानी

स्तुतिः चेन्नई से आई टीम ने हमारी दो कलीसियाओं का दौरा किया और उनका उत्साहवर्धन किया। बंदापल्ली चर्च की जमीन की नाप–जोख हो चुकी है। डेविड, जिसके हाथ और पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर था, उसे आराम मिला है। प्रभु ने सुब्रेदु को उसके प्रार्थनाओं के फलस्वरूप उसे किराने की दुकान शुरू करने में सक्षम बनाया। विजयम्मा के पमेश्वर ने एक दुर्घटना में चमत्कारिक रूप से बचाई गईं। एलिजाबेथ को दुष्टात्माओं के कब्जे से छुटकारा मिली। योगेश और आश्रय को एक बच्चे की प्राप्ति हुई। राजू के पैर की सफल सर्जरी हुई। अलवेनाम्मा और श्रीनिवास, जिनके पारिवारिक विवाद वर्षों से चल रहे थे, उनके सुलह के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थनाः उच्च मधुमेह और मस्तिष्क रोग से पीड़ित सर्वमंगलम्मा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि वैवाहिक जीवन के 15 साल के बाद भी निःसंतान रमनजिनम्मा को परमेश्वर संतान सुख प्रदान करे। नरसिम्हा और ईश्वरप्पा को शराब की लत से छुटकारा मिले। श्रीनिवास, जो अपनी पत्नी और बच्चे को चर्च सेवा में जाने से रोकता है, प्रार्थना करें कि उसे प्रभु के प्रेम का अनुभव हो। पुण्या और मंजू के सुरक्षित प्रसव और निम्न रक्त स्तर में सुधार होने के लिए प्रार्थना करें। प्रभु रोड्डम क्षेत्र में सेवा करने के लिए स्वयंसेवकों और प्रचारकों को आगे बढ़ाएँ।

सितम्बर 30

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती तुम्पा चौधरी ओम प्रकाश

सदुमः

अनिल महली एवं प्रशांति

स्तुतिः रहने के लिए घर की कमी से जूझ रही रामपुरम की दुर्गा की प्रार्थनाओं को परमेश्वर ने सुना और उन्हें एक सरकारी योजना के माध्यम से घर दिलाने में मदद की। तीन नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया और सुसमाचार साहित्य बाँटे गए। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन विशेष उपवास प्रार्थनाएँ आयोजित की गईं; कई गैर विश्वासी लोग भी इसमें शामिल हुए और उनके लिए प्रार्थना की गई।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि परमेश्वर सुरुबारानी और क्रिस्टली जेबा को संतान सुख प्रदान करे। किरुबाम्मा के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो अपने उस धर्म में वापस लौट गई है जिससे वह आई थी। शराब की लत के कारण हर दिन संघर्ष कर रहे श्रीकांत के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। गिरिबाबू को एक योग्य जीवन साथी मिले। प्रार्थना करें कि सभी विश्वासियों के बीच एकता बनी रहे।

तमिलनाडु

मेचेरीः

धर्मराज आर.आर. एवं मारिया सेल्वी

स्तुतिः कौशल्या और विद्या को प्रार्थना के माध्यम से संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिला। दुरईस्वामी, वनिता और पोन्नमा के खेतों में जब उन्होंने उपवास और प्रार्थना के बाद बीज बोए, तो परमेश्वर ने अच्छी फसल दी। परमेश्वर ने विश्वासी के मवेशियों की रक्षा की और उनका भरण–पोषण किया।

प्रार्थनाः जिन लोगों ने नया नियम प्राप्त किया है, वे इसे पढ़ें और प्रभु में विश्वास प्राप्त करें। कन्नपन, वेंकटेश और चिनरास के लिए प्रार्थना करें वे प्रभु को स्वीकार करें। पैरों में गंभीर दर्द से पीड़ित और चलने में असमर्थ रंजीत और पलदुरई को परमेश्वर चंगाई प्रदान करे।

जीवन का परमेश्वर जो जीवन देता है

रोहिती गाँव में, तियानसिंह नाम के एक बुजुर्ग ने दस साल पहले विश्वासियों का विरोध किया और उन्हें यीशु की आराधना बंद करने की धमकी दी। उसने यह भी कसम खाई थी कि अगर गाँव के सभी विश्वासी मर गए, तो वह अपने देवता को 12 भेड़ें चढ़ाएगा। अब 76 साल के तियानसिंह ने एक बड़ा चमत्कार देखा। एक दिन, एक विश्वासी की पत्नी का निधन हो गया। गाँववालों ने घर को घेर लिया और धमकी दी कि अगर विश्वासियों के परमेश्वर ने उसे जिंदा नहीं किया, तो वे मृत महिला और उसके पति, दोनों को जिंदा जला देंगे। हताश होकर, विश्वासियों ने एक स्वर में, विश्वास के साथ प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उस महिला को जिंदा कर दिया! यह देखकर, तियानसिंह ने प्रभु से प्रार्थना की और अपने लकवे से मुक्ति की याचना की। परमेश्वर ने उसे छुआ, और वह पूरी तरह से ठीक हो गया। आज, उसने यीशु को प्रभु के रूप में स्वीकार कर लिया है और मसीह के परिवार में शामिल होने का जश्न मनाने के लिए अपने गाँव के विश्वासियों के लिए खुशी के साथ एक भोज का आयोजन किया।

410 मिशनरी एल्बम

रेव्ह. सुनील दाता कारा एवं मीनाक्षी बीरो परिवार

रेव्ह. सुनील दाता कारा का जन्म 22 मई, 1977 को ओड़िशा के गजापति जिले के आश्रयगढ़ में श्री सारदा चंद्र कारा और स्वर्गीय श्रीमती सुसेंगिनी कारा के घर में हुआ था। हालाँकि उनका पालन–पोषण एक मसीही परिवार में हुआ था, फिर भी उन्हें अभी तक उद्धार का अनुभव नहीं था। 1996 में, उन्होंने अपने पापों को स्वीकार किया, उद्धार प्राप्त किया और बपतिस्मा लिया। इसके तुरंत बाद, उन्होंने प्रभु की वाणी सुनी और पूर्णकालिक सेवकाई के लिए सीधा बुलावा मिला।

अपने आह्वान के बाद, उन्होंने एक धर्मशास्त्रीय कॉलेज में प्रवेश लिया और धर्मशास्त्र में स्नातक (बी.टी.एच.) की उपाधि प्राप्त की। 2007 में, वे फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड (एफ.एम.पी.बी.) के मिशनरी में शामिल हुए और 2008 में एन.आई.एम. में अपना मिशनरी प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण के बाद, उन्हें कर्नाटक के शिगगाँव क्षेत्र में नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने साढ़े सात वर्षों तक निष्ठापूर्वक परमेश्वर की सेवा की। वहाँ रहते हुए, उन्होंने दो चर्चों का निर्माण किया, 15 कलीसियाओं की स्थापना की, और कई आत्माओं को मसीह की ओर प्रेरित किया।

2015 में उनका तबादला कर्नाटक के खानपुर क्षेत्र में हुआ और 2017 में उन्होंने हुबली क्षेत्र के क्षेत्रीय सचिव का पदभार संभाला। 2024 से वे कोलार क्षेत्र के क्षेत्रीय सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

रेव्ह. सुनील का विवाह 7 मई, 2010 को बहन मीनाक्षी बीरो से हुआ। मीनाक्षी का जन्म 1 जून, 1987 को ओड़िशा के गजापति प्रांत के चेलीगाड़ा में श्री आशापूर्ण बीरो और श्रीमती मार्थामा बीरो के परिवार में हुआ था। एक मसीही परिवार में पली–बढ़ी, उन्होंने छठी कक्षा में ही प्रभु को स्वीकार कर लिया था। कला स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद, उन्हें अपने गाँव में एक एफ.एम.पी.बी. सभा के दौरान पूर्णकालिक सेवकाई का आह्वान मिला।

इस आह्वान के उत्तर में, उन्होंने 2007 में एफ.एम.पी.बी. में शामिल हो गईं और अपना मिशनरी प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, छत्तीसगढ़ के पत्थलगाँव बालिका छात्रावास में सेवा करने के लिए नियुक्त हुईं। रेव्ह. सुनील से विवाह के बाद, वह शिग्गाँव मिशन क्षेत्र में सेवा करने में उनके साथ शामिल हो गईं।

परमेश्वर ने इस दंपति को दो बच्चे देकर आशीषित किया है। उनकी बड़ी बेटी, ग्लेडिस कारा, जिसका जन्म 22 फरवरी 2011 को हुआ था, अभी दसवीं कक्षा में पढ़ती है और बेटा, जेम्स कारा, जिसका जन्म 02 मई 2013 को हुआ था, सातवीं कक्षा में है। अब दोनों बच्चे बैंगलोर के लोरी मेमोरियल स्कूल में अध्यय कर रहे हैं।

आईए हम इस समर्पित परिवार के लिए प्रार्थना करें कि जैसे वे प्रभु की सेवा करते हैं प्रभु के प्रति निष्ठा से समर्पित रहें।

411 मिशनरी एल्बम

रेव्ह. गोपीकृष्णन एम. एवं मेनागा एल. परिवार

मिशनरी जी. गोपीकृष्णन का जन्म तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के डिंडाल गाँव में एक हिंदू (पूजारी) परिवार में श्री मुरुगन और श्रीमती पलानियाम्मल के परिवार में तीन बच्चों में जेठा पुत्र के रूप में हुआ था। आठवीं कक्षा में, पैर में चोट और नाक की समस्या के दौरान, उन्हें एफ.एम.पी.बी. मंत्रालय के माध्यम से मसीह का ज्ञान हुआ और 1998 में इंदौर एस.आर.आई.आई. क्षेत्र में उनका बपतिस्मा हुआ। इसके तुरंत बाद, उन्हें सेवकाई के लिए ईश्वरीय बुलाहट को प्राप्त किए।

अपनी उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने एक ट्रक मजदूर के रूप में काम किया, और हमेशा एक नया नियम अपने साथ रखते थे। एक स्वप्न में, जिस व्यक्ति ने उन्हें पहली बार मसीह के पास पहुँचाया था, वे प्रकट हुए और कहा, "आओ, लोग तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं।" इस स्वप्न ने उनके बुलावे की पुष्टि की और उन्हें अपना जीवन परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

2003 में, वे तमिलनाडु में स्थानीय प्रचारक के रूप में FMPB में शामिल हुए और कार्यालय और फिल्म सेवकाई में कार्यरत रहे। 2006 में, उन्हें पूर्णकालिक मिशनरी के रूप में चुना गया और उन्होंने अपना प्रशिक्षण पूरा किया। उन्होंने चिरिया क्षेत्र में सेवा शुरू की और 20 मई 2009 को सिस्टर मेनागा से उनका विवाह हुआ। दोनों ने मिलकर बोकारो, निवाली और मंडाना क्षेत्रों में सेवा की और 2023 से, मध्य प्रदेश के धूलकोट और नेपा नगर क्षेत्रों में सेवा कर रहे हैं।

बहन मेनागा का जन्म 7 मई 1986 को एक हिंदू परिवार में हुआ था। उनके माता–पिता, श्री लक्ष्मणन और श्रीमती रानिल, तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले के ओहुर गाँव से हैं। वह सबसे बड़ी बेटी हैं, उनकी दो छोटी बहनें और एक छोटा भाई है। आठवीं कक्षा में पढ़ते समय, उन्होंने आई. एम.एस. संगठन द्वारा आयोजित एक अधिवेशन में भाग लिया। वहाँ, उन्होंने झारखंड के लोगों की जीवनशैली पर आधारित एक नाटक देखा। इसे देखते हुए, उन्हें दृढ़ विश्वास हुआ कि परमेश्वर उन्हें सेवकाई के लिए बुला रहे हैं। हालाँकि उनका व्यक्तिगत सपना डॉक्टर या नर्स बनने की थी, फिर भी उन्होंने प्रार्थनापूर्वक परमेश्वर की इच्छा जानने की कोशिश की। बहुत प्रार्थना और समर्पण के बाद, उन्होंने अपना जीवन पूर्णकालिक अंतर–सांस्कृतिक सेवकाई के लिए समर्पित कर दिया। वह 2008 में एफ.एस.पी.बी. में शामिल हुईं और 2009 में अपना मिशनरी प्रशिक्षण पूरा किया। प्रभु ने इस दंपत्ति को दो संतानों का आशीर्वाद दिया हैः उनका पुत्र, सैम ग्लैडसन (जन्म 29 मार्च 2010), वर्तमान में कक्षा 11 में है, और उनकी पुत्री, जेनिटा (जन्म 20 मई 2014), संतोष विद्यालय, डोहनावुर में कक्षा 6 में है।

आईए हम इस वफादार मिशनरी परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में संजोएँ रखें, क्योंकि वे मिशन के क्षेत्रों में पूरे मन से प्रभु की सेवा कर रहे हैं।

friends missionary prayer band

Whom shall I send? Who will go for us?

ARE YOU WILLING TO INVEST YOUR YOUTHFUL DAYS FOR CHRIST?

Come & join the family of FMPB

MISSIONARIES WANTED

A time to explore God's call!

Eligibility Criteria:

- Have you completed higher secondary (+2) or are you a graduate?
- Are you a bachelor or spinster who has completed 18 years of age and are below 30 years?
- Are you a married person aged 35 years or below?

If yes, you are eligible! **The opportunity before you:**

- Pioneer missionary
- Church Planter
- Medical Missionary
- Bible Translator
- Missionary Teacher
- Media Missionary

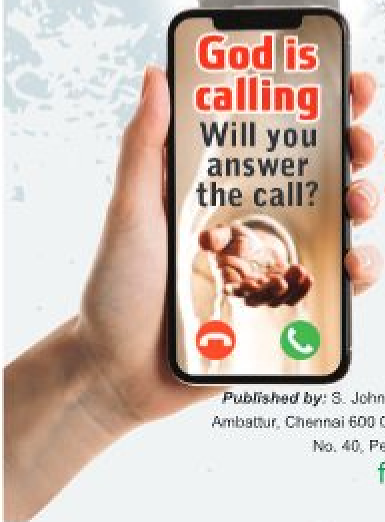

Friends Missionary Prayer Band (FMPB)
Human Resource Department (HRD)
29, High School Road, Ambattur, Chennai - 53
Email: hrd@fmpb.org / www.fmpb.co.in
044 2657 0404 / 2657 4343

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org *Printed by:* Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. *Editor: S. John Berlin*